आषाढ़ शुक्ल - 30 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 341 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 10-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जब आप हर चार दिन में दाढ़ी रंगते हैं तो समय आ गया है : विराट कोहली

6 धर्मांतरण का धंधा : विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

7 हीरो बनने आए थे, 'बाबूजी' बनकर छा गए आलोक नाथ

फर्स्ट टेक

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर स्मारक डाक टिकट जारी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि भारतीय डाक विभाग ने जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया है। सिंधिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रखर राष्ट्रवादी नायक, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं दूरदर्शी राजनेता, श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय डाक द्वारा स्मारक डाक टिकट जारी किया गया।''

17 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में दर्शन किए

श्रीनगर/भाषा। दक्षिण कश्मीर के हिमालय क्षेत्र पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बुधवार को करीब 17 हजार तीर्थयात्रियों ने भगवान शिव के दर्शन किए, जिससे इस साल शुरूआती पहले सप्ताह में यहां दर्शन करने वाले कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 1 लाख 28 हजार पहुंच गई। अधिकारियों ने यहां जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को कुल 16,720 तीर्थयात्रियों ने दक्षिण कश्मीर स्थित हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए।

'एक्स' की सीईओ ने पद से इस्तीफा दिया

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की अगुवाई वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लिंडा याकारिनो ने अपने पद से हटने की बुधवार को घोषणा की। याकारिनो ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में सीईओ पद से हटने की जानकारी दी। वह दो साल तक इस पद पर रही हैं। उन्होंने कहा, ''अभी सबसे अच्छा आना बाकी है क्योंकि एक्स, चैटबॉट ग्रोक बनाने वाली कृत्रिम मेधा कंपनी एक्सएआई के साथ एक नया अध्याय शुरू कर रही है।''

पाकिस्तान और तुर्किये रक्षा, आर्थिक संबंध प्रगाढ़ करने को सहमत हुए

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान और तुर्किये ने बुधवार को रक्षा, व्यापार, ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहयोग को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की, जिसका लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को 5 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाना है। तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान और रक्षा मंत्री यासिर गुलेर की पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ वार्ता के दौरान यह सहमति बनी।

ताकत के बजाय संवाद, साझेदारी से भविष्य को आकार देना होगा : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने 17 देशों की संसदों को संबोधित कर बनाया नया कीर्तिमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विंडहोक/भाषा। भारत द्वारा वैश्विक मामलों में अफ्रीका की भूमिका को महत्व देने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दोनों पक्षों को एक ऐसे भविष्य का निर्माण करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए जो शक्ति और वर्चस्व से नहीं, बल्कि साझेदारी एवं संवाद के जरिये हो।

नामीबिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अफ्रीका को केवल कच्चे माल का स्रोत नहीं बनना चाहिए बल्कि इसे मूल्य संवर्धन और सतत विकास में अग्रणी होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें मिलकर काम करना होगा। आइए हम एक ऐसा भविष्य बनाएं जो शक्ति से नहीं बल्कि साझेदारी से, वर्चस्व से नहीं बल्कि संवाद से, बहिष्कार से नहीं बल्कि समता से परिभाषित हो।''

प्रधानमंत्री मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया

विंडहोक/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एनशिएंट वेल्वित्चिया मिराबिलिस' से नवाजा गया। यह सम्मान नामीबिया की राष्ट्रपति नेटुम्बो नेंडी-नदैतवा द्वारा प्रदान किया गया। मोदी ने सम्मान से नवाजे जाने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''नामीबिया का वेल्वित्चिया, जिसके नाम पर यह पुरस्कार रखा गया है, कोई साधारण पौधा नहीं है। यह परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य की तरह है, जिसने समय को गुजरते देखा है। यह नामीबिया के संघर्ष, साहस और संस्कृति का प्रतीक है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में अफ्रीका के साथ अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा, ''अफ्रीका में हमारी विकास साझेदारी 12 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की है। लेकिन इसका वास्तविक मूल्य, साझा विकास और साझा उद्देश्य में निहित है। हम स्थानीय स्तर पर कौशल निर्माण, रोजगार सृजन और नवाचारों का समर्थन जारी रखेंगे।''

अपने संबोधन में मोदी ने भारत और नामीबिया के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''भारत नामीबिया के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को बहुत महत्व देता है।'' उन्होंने कहा कि भारत और नामीबिया के बीच सहयोग, संरक्षण और करुणा की एक सशक्त कहानी है।

प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग, स्वास्थ्य के लिए बेहतर : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग है और अधिक उपज समेत इसके कई लाभ हैं। उन्होंने आगाह किया कि रासायनिक उर्वरकों के साथ गेहूं की खेती से अक्सर कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं।

शाह ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति रसायनों और उर्वरकों से मुक्त भोजन करता है, तो उसे किसी दवा की आवश्यकता नहीं होगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने यह भी कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद, वह अपना शेष जीवन प्राचीन भारतीय ग्रंथों वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती को देंगे। शाह ने कहा, ''मैंने पहले ही निर्णय ले लिया है कि जब भी मैं सेवानिवृत्त होऊंगा, मैं अपना शेष जीवन वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती को समर्पित करूंगा। प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग है जिसके कई लाभ हैं।''

केंद्रीय मंत्री ने यह बात 'सहकार संवाद' के दौरान कही। यह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर अहमदाबाद में गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान की महिला सहकारी कार्यकर्ताओं के साथ एक संवाद था।

शाह के गुजरात दौरे के दौरान अहमदाबाद की साइंस सिटी में पिछले शनिवार और रविवार को हुई इस बातचीत का वीडियो और प्रेस विज्ञप्ति बुधवार को जारी की गई।

उन्होंने कहा कि उर्वरकों का उपयोग करके उगाया गया गेहूं थायराइड, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर का कारण बन सकता है। शाह ने कहा, ''अगर आप रसायनों और उर्वरकों से मुक्त भोजन का सेवन करते हैं, तो आपको किसी दवा की आवश्यकता नहीं होगी।

छात्रों को कभी भी 'गोडसे के खेमे' की राह पर नहीं जाना चाहिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि छात्रों को कभी भी गोडसे की राह पर नहीं चलना चाहिए और उन्हें राजनीति की समझ होनी चाहिए।

तिरुचिरापल्ली में जमाल मोहम्मद कॉलेज के 75 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा छात्रों से मिलना उन्हें हमेशा ऊर्जा प्रदान करता है। स्टालिन ने कहा कि कॉलेज के संस्थापक हाजी एम जमाल मोहम्मद साहब और एन एम खजामियन रोथर ने गांधीवादी मार्ग का अनुसरण किया। उन्होंने कहा, हमारे लिए कई रास्ते हैं; जैसे गांधीजी, डॉ. आंबेडकर और पेरियार द्वारा दिखायी गयी राह। आप छात्रों को कभी भी गोडसे के खेमे की राह पर नहीं चलना चाहिए।

शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए स्टालिन ने कहा कि यह उनकी स्थायी पूंजी होगी। उन्होंने कहा कि यदि तमिलनाडु एक टीम के रूप में एकजुट हो जाए तो कोई भी राज्य को हरा नहीं सकता।

स्टालिन ने कहा कि वह राजनीति पर बात नहीं कर रहे लेकिन इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि छात्रों को राजनीति के बारे में समझ होनी चाहिए।

तीन जुलाई को, सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने पूरे राज्य में ओरानियिल तमिलनाडु (तमिलनाडु एक टीम) नाम से 45 दिनों का घर-घर जाकर सदस्यता अभियान शुरू किया।

वडोदरा में महिसागर नदी पर बना चार दशक पुराना

पुल ढहने से कई वाहन नदी में गिरे

- 11 लोगों की मौत, नौ अन्य को बचा लिया गया
- पुल के दो खंभों के बीच बने स्लैब का पूरा हिस्सा ढहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार सुबह चार दशक पुराने एक पुल का हिस्सा ढह जाने से कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए, जिससे भाई-बहन समेत 11 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य को बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों में से कुछ को चोटें आई हैं।

पुलिस अधीक्षक (वडोदरा ग्रामीण) रोहन आनंद ने बताया कि मध्य गुजरात को राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र से जोड़ने वाले गंभीरा पुल का एक 'स्लैब' ढह गया, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई।

पुल जिले में पादरा शहर के पास स्थित है। घटनास्थल के दृश्यों में देखा जा सकता है कि पुल के दो खंभों के बीच बने स्लैब का पूरा हिस्सा ढह गया। स्लैब के ढहने से पुल से गुजर रहे वाहन नदी में गिर गए।

आनंद ने बताया कि बचाए गए नौ लोगों में से पांच को वडोदरा के एसएसजी (सर सैयाजीराव जनरल) अस्पताल रेफर किया गया है। बचाए गए लोगों में से किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। उन्होंने बताया कि सुबह करीब साढ़े सात बजे पुल का 10 से 15 मीटर लंबा स्लैब ढह गया।

वडोदरा के जिलाधिकारी अनिल धमेलिया ने बताया कि पुल ढहने के बाद पांच वाहन – दो ट्रक, दो वैन, एक ऑटोरिक्शा और एक दोपहिया – नदी में गिर गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि दो अन्य वाहन जो गिरने ही वाले थे, उन्हें खींचकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि नदी में गिरे दोपहिया वाहन पर सवार तीन लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल : पश्चिम बंगाल में छिटपुट हिंसा, हालात रहे सामान्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार की श्रम नीतियों के विरोध में कई ट्रेड यूनियन द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण देश के अधिकांश हिस्सों में जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ हालांकि पश्चिम बंगाल से छिटपुट हिंसा की कुछ घटनाएं सामने आईं। ट्रेड यूनियन ने दावा किया कि हड़ताल सफल रही और बड़ी संख्या में कर्मचारी काम पर नहीं पहुंचे, जिससे डाक, बैंकिंग, बीमा और खनन क्षेत्रों पर असर पड़ा।

आंदोलन हालांकि कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा लेकिन पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में वामपंथी कार्यकर्ताओं और पुलिस व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थकों के बीच झड़प के बाद हिंसा की खबरें आईं।

दस ट्रेड यूनियन के एक संगठन ने एक बयान में कहा कि पुडुचेरी, असम, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक, गोवा, मेघालय और मणिपुर जैसे देश के कई राज्यों में बंद जैसी स्थिति रही। वहीं राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में भी आंशिक बंद की खबरें सामने आईं।

बयान के मुताबिक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में औद्योगिक व क्षेत्रीय हड़तालें हुईं।

बयान के मुताबिक, ट्रेड यूनियनों ने चार श्रम संहिताओं को खत्म करने, ठेकाकरण, सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण रोकने, न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 26,000 रुपए प्रति माह करने, साथ ही स्वामीनाथन आयोग के 'सी2 प्लस 50' प्रतिशत के फॉर्मूले के आधार पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों की कर्ज माफी की किसान संगठनों की मांगों के समर्थन में एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया था।

संगठन ने पिछले वर्ष श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को 17 सूत्री मांग सौंपी थीं। मंच ने दावा किया कि सरकार पिछले 10 वर्षों से वार्षिक श्रम सम्मेलन आयोजित नहीं कर रही है।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को बाजार खुले रहे और बंद का व्यावसायिक गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

स्टारलिंक को भारत में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा शुरू करने की अनुमति

नई दिल्ली/भाषा। भारत के अंतरिक्ष नियामक इन-स्पेस ने अरबपति उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिंक को देश में उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने का लाइसेंस प्रदान किया है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने बयान में कहा, इन-स्पेस ने 'मेसर्स स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड' को 'लो अर्थ ऑर्बिट' (निचली कक्षा के) उपग्रहों के समूह यानी 'स्टारलिंक जेन1' की व्यवस्था करने को मंजूरी प्रदान की है। इससे एसएससीपीएल भारत में उपग्रह संचार सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हो सकेगी। यह सेवा मंजूरी आठ अप्रैल से पांच साल की अवधि के लिए या 'जनरेशन 1' समूह के परिचालन जीवन की समाप्ति तक, जो भी पहले हो, के लिए वैध है। सेवाओं का क्रियान्वयन निर्धारित नियामकीय प्रावधानों और संबंधित सरकारी विभागों से अपेक्षित मंजूरी, अनुमोदन और लाइसेंस के अधीन है।

ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया : रूबियो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दावा किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में वाशिंगटन ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध ''रुकवाया और उसे समाप्त करवाया।''

व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में ट्रंप के पास बैठे रूबियो ने कहा, ''राष्ट्रपति महोदय, मैं यहां एक सूची पर नजर दौड़ा रहा हूं... घरेलू स्तर पर हासिल की गई इन सभी उपलब्धियों (की सूची) पर... हमने आपके नेतृत्व में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया और उसे समाप्त करवाया।''

रूबियो ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच शांति समझौते का भी जिक्र करते हुए कहा, ''12-दिवसीय युद्ध जो एक अमेरिकी ऑपरेशन के साथ समाप्त हुआ। हम दुनिया के एकमात्र देश हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। उम्मीद है कि बहुत जल्द अजरबैजान और आर्मीनिया के बीच शांति समझौता होगा।'' उन्होंने कहा, ''सीरिया और लेबनान के कारण अब पूरे पश्चिम एशिया और इसके बुनियादी ढांचे में बदलाव की संभावना है। अभी छह महीने भी नहीं हुए हैं। यह आपके नेतृत्व और टीम के शानदार काम का प्रमाण है।''

ट्रंप ने एक दिन पहले अपने इस दावे को दोहराया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रुकवाया, जो कि परमाणु युद्ध में बदल सकता था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि अगर वे युद्ध जारी रखते हैं, तो वाशिंगटन उनके साथ व्यापार नहीं करेगा।

ट्रंप यह दावा कई बार कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को व्यापार समझौते के जरिये खत्म करवाया।

दूसरी तरफ, भारत का कहना है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) की ओर से संपर्क किए जाने के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर विचार किया गया।

10-07-2025 सूर्यास्त 6:50 बजे	11-07-2025 सूर्योदय 6:00 बजे

BSE	NSE
83,536.08 (-176.43)	25,476.10 (-46.40)

सोना	चांदी
10,177 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	110,709 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी परिंदे

बड़े ही जोर से चहके,
सुरों से मन लुभावी हैं।
उड़ानें भर रहे जो भी,
समझना सब दिखावी हैं।
कभी मंदिर में चिंचियाते,
कभी मस्जिद में हावी हैं।
उड़ेंगे वोट दानें चुग,
परिंदे ये चुनावी हैं।।

जेबीएन वी कनेक्ट समूह ने ऑफिस दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो जेबीएन -वी कनेक्ट महिला व्यावसायिक समूह द्वारा तीसरा ऑफिस दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके तहत सदस्याओं ने मिडास टच एंड एकेडमी की संस्थापिका व ब्राइडल और प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट रंजना दोधिया के नेतृत्व में बसवेश्वरनगर स्थित उनके स्टूडियो का दौरा किया। रंजना दोधिया ने स्टूडियो में दी जाने वाली सेवाओं में हाइड्रोफेशियल्स, माइक्रोब्लेडिंग और लंबे समय तक टिकने वाला एलीगेंट मेकअप की जानकारी दी। लेडीज विंग की अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना के साथ 30 सदस्याओं, रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया व रेफरल मंत्री सीए सुखदेवी जैन उपस्थित थी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के इनर व्हील क्लब ब्लॉज्म द्वारा राजाजीनगर स्थित रैश अरेना खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट स्पर्धा में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें प्रोत्साहित किया तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

धर्म, ध्यान एवं तप आराधना करने का समय है चातुर्मास : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी व लोकेश मुनि जी के सान्निध्य में बुधवार को चार्तुमासिक चौदस से दैनिक प्रवचन शुरू हुआ। पहले दिन के प्रवचन में ज्ञानमुनिजी ने कहा कि द्रव्य, जीव, काल और भाव इन चारों की अनुकूलता से मोक्ष जाने का मार्ग खुलता है। हमें देह से हटकर विदेह में, भोग से हटकर योग में जाना है। मुनिश्री ने

जिन्दगी के पड़ाव के बारे में बताते हुए कहा कि पहले दिन का बालपना, दूसरे दिन की जवानी, तीसरे दिन की माया और चौथे दिन का बुढ़ापा है, यही हम सभी की जिन्दगी है। सम्यक ज्ञान, दर्शन, चरित्र, मोक्ष का यह मार्ग है धर्म। धर्म प्राप्ति के लिए तप की आराधना करनी सबसे जरूरी है। मुनिश्री ने कहा कि आज से चार महीनों तक एक ही जगह पर रहकर धर्म, ध्यान एवं तप आराधना करने का समय है चातुर्मास। प्रभु की प्रार्थना एवं मंगल गान करना हमारी संस्कृति एवं संस्कार है। इससे भगवान से तार जुड़ता है, मन साफ रहता है, कार्य अच्छे एवं निर्विघ्न होते हैं। रोजाना प्रभु महावीर को याद करें, उनके चरणों में हम नमन करें। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में बने किसान, मेथी और मूंग उगाई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अपने अंतरिक्ष प्रवास के अंतिम चरण में एक किसान की भूमिका में नजर आ रहे हैं। उन्होंने 'पेट्री डिश' में मूंग और मेथी उगाई, इसे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) के फ्रीजर में रखा एवं इनकी तस्वीर साझा की। शुक्ला ने यह कार्य एक अध्ययन के तहत किया है ताकि पता लगाया जा सके कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अंकुरण और पौधों के प्रारंभिक विकास को कैसे प्रभावित करता है। एक्सिओम-4 यान से आईएसएस पहुंचे शुक्ला और उनके साथी कक्षीय प्रयोगशाला में 12 दिन बिता चुके हैं। उनके फ्लोरिडा तट पर मौसम की स्थिति के आधार पर, 10 जुलाई के बाद किसी भी दिन पृथ्वी पर लौटने की उम्मीद है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अब तक आईएसएस से एक्सिओम-4 यान के अलग होने की तारीख की घोषणा नहीं की है। आईएसएस पहुंचे एक्सिओम-4 मिशन की अवधि 14 दिनों तक है। शुक्ला ने बुधवार को एक्सिओम स्पेस की मुख्य वैज्ञानिक लूसी लो के साथ बातचीत में कहा, मुझे बहुत गर्व है कि इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) देश भर के राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करने और कुछ शानदार शोध करने में सक्षम रहा है, जो मैं सभी वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए आईएसएस पर कर रहा हूं। ऐसा करना रोमांचक और आनंददायक है। मेथी और मूंग के बीज को अंकुरित करने के प्रयोग का नेतृत्व दो वैज्ञानिकों कर्नाटक के धारवाड़ स्थित कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय में कार्यरत रविकुमार होसामणि और यहीं स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सुधीर सिद्धपुरेड्डी कर रहे हैं। एक्सिओम स्पेस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि एक बार पृथ्वी पर वापस आने के बाद, बीजों को कई पीढ़ियों तक उगाया जाएगा, ताकि उनके आनुवंशिकी, सूक्ष्मजीवी पारिस्थितिकी तंत्र और पोषण प्रोफाइल में होने वाले बदलावों का पता लगाया जा सके। एक अन्य प्रयोग के तहत शुक्ला सूक्ष्म शैवाल ले गए हैं, जिनकी भोजन, ऑक्सीजन और यहां तक कि जैव ईंधन उत्पन्न करने की क्षमता की जांच की जा रही है। सूक्ष्म शैवालों के किसी भी परिस्थिति में ढल जाने की क्षमता उन्हें लंबी अवधि के मिशनों में मानव जीवन की मदद के लिए आदर्श बनाती है। शुक्ला ने बीजों के उगाने के प्रयोग की भी तस्वीरें लीं। इसके तहत मिशन के बाद भी कई पीढ़ियों तक छह किस्में उगाई जाएंगी। इसका लक्ष्य अंतरिक्ष में टिकाऊ खेती के लिए आनुवंशिक विश्लेषण हेतु वांछनीय गुणों वाले पौधों की पहचान करना है। शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष केंद्र पर उनके अनुसंधान कार्य विभिन्न क्षेत्रों और विषयों में फैले हुए हैं।

मुलाकात

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करते हुए।

नियोक्ता व कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना एसपीआरईई-2025

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्मचारी राज्य बीमा निगम मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित 196वीं ईएसआई बैठक के दौरान नियोक्ता व कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना एसपीआरईई 2025 को मंजूरी दी गई है, जिसके अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा निगम मुख्यालय नई दिल्ली ने अपने परिपत्र 1 जुलाई के अनुसार उक्त योजना को इसी वर्ष 1 जुलाई से 31 दिसम्बर तक कार्यान्वित किया है। इस योजना के अंतर्गत अपंजीकृत नियोक्ताओं, संविदा और अस्थाई सहित सभी नियोक्ताओं को बिना किसी निरीक्षण या पिछला बकाया की बाध्यता रहित इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण किया जा सकता है। इसके साथ-साथ किसी भी नव पंजीकृत कामगार को उसके पंजीकरण तिथि से योजना के अंतर्गत व्याप्त माना जाएगा। इस योजना में कोई भी व्याप्त नियोक्ता एवं कामगार कराबी निगम अधिनियम के अंतर्गत किसी भी तरह के दंडात्मक कार्रवाई/चूककर्ता बकायों के लिए बाध्य नहीं होगा। इस योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक कामगार वर्ग तक पहुंच बढ़ाना है ताकि अधिक से अधिक नियोक्ता, कामगार व उनके परिवार इसका समुचित लाभ उठा सकें।

इसरो ने गगनयान प्रणोदन प्रणाली के 'हॉट टेस्ट' सफलतापूर्वक पूरे किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने तीन जुलाई को महेंद्रगिरि में अपने प्रणोदन परिसर में गगनयान सेवा मॉड्यूल प्रणोदन प्रणाली (एसएमपीएस) के दो 'हॉट टेस्ट' (तप्त परीक्षण) सफलतापूर्वक पूरे किए। हॉट टेस्ट' एक प्रकार का परीक्षण होता है जिसमें रॉकेट या अंतरिक्ष यान की प्रणोदन प्रणाली को वास्तविक स्थितियों में चलाकर परखा जाता है। यह परीक्षण सुनिश्चित करता है कि इंजन या थ्रस्टर अंतरिक्ष में अपेक्षित परिस्थितियों में सही काम करेंगे या नहीं। इसरो ने बुधवार को एक बयान में कहा कि ये परीक्षण बेहद कम समय क्रमश: 30 सेकंड और 100 सेकंड तक चले, जिनका उद्देश्य नमूना विन्यास (टेस्ट आर्टिकल कन्फीग्यूरेशन) को सत्यापित करना था।

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, ''इन 'हॉट टेस्ट' के दौरान प्रणोदन प्रणाली का कुल प्रदर्शन परीक्षण पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य रहा। 100 सेकंड के परीक्षण के दौरान सभी प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली (आरसीएस) थ्रस्टर्स का विभिन्न मोड (स्थिर अवस्था, पल्स मोड) में एक साथ संचालन किया गया। साथ ही सभी लिक्विड एपोजी मोटर' (एलएएम) इंजनों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।'' 'लिक्विड एपोजी मोटर' (एलएएम) एक तरल ईंधन आधारित रॉकेट इंजन होता है, जिसका उपयोग उपग्रह को उसकी अंतिम कक्षा में पहुंचाने के लिए किया जाता है।

इसरो के अनुसार, गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की यह क्षमता प्रदर्शित करना है कि वह एक मानवयुक्त अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्षा में प्रक्षेपित कर सकता है और इस मिशन से प्राप्त अनुभव और ज्ञान इसकी सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

जीएसटी धोखाधड़ी के आरोप में राजस्थान का एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में राजस्थान के एक व्यक्ति को फर्जी बिल जारी करने और कर चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कर्नाटक वाणिज्यिक कर विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि वाणिज्य कर विभाग के दक्षिण क्षेत्र के प्रवर्तन और खुफिया शाखा के अधिकारियों ने बेंगलूरु पूर्व पुलिस की सहायता से राजस्थान के जालौर जिले के निवासी कैलाश विलोय को पहले हिरासत में लिया, फिर बाद में औपचारिक तौर पर गिरफ्तारी दर्ज की गई।

विभाग के अनुसार, विलोय ने फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करके कई बैंक खाते खोले और अपने नाम पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीकरण नंबर प्राप्त किए। इसने कहा कि पंजीकरण नंबर का इस्तेमाल करोड़ों रुपये के फर्जी बिल जारी करने के लिए किया गया। इन फर्जी बिलों के जरिए कथित तौर पर गुपचुप तरीके से धातु के कबाड़ की ढुलाई और कर्नाटक व अन्य राज्यों के व्यापारियों को अवैध रूप से 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' का दावा करने में मदद मिली, जिससे कर चोरी की गई। विभाग ने बताया कि विलोय ने जो कुछ किया, उससे प्रतीत होता है कि वह एक बड़े गिरोह का हिस्सा है जिसका उद्देश्य सामान की ढुलाई के बिना ही फर्जी चालान जारी करके 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' व्यवस्था का गलत इस्तेमाल करना है। बेंगलूरु की विशेष आर्थिक अदालत ने जांच के लिए आरोपी को वारंट पर विभाग को सौंप दिया है।

शंखेश्वर में हुआ मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी का मंगलमय चातुर्मास प्रवेश

जापान सहित भारत के विभिन्न स्थानों से आए गुरु भक्त

पाटण(गुजरात)। शहर के प्रसिद्ध शंखेश्वर महातीर्थ में सौधर्म बृहत्तपागच्छीय आचार्यश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी के शिष्य एवं गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी व आचार्यश्री जयरत्नसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी, अजीतसेनविजयजी का चातुर्मास प्रवेश शंखेश्वर महातीर्थ पर स्थित श्री राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर में हुआ। चातुर्मास प्रवेश की शोभायात्रा शंखेश्वर तीर्थ के मुख्य जिनालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्ग से परिभ्रमण करती हुई राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर में धर्मसभा में परिवर्तित हुई। शोभायात्रा में अनेक आकर्षण सहित महिला मंडल, सामायिक मंडल, राजेन्द्र जैन महिला परिषद डिसा एवं अहमदाबाद की श्राविकाओं ने कलश घारण कर गुरु भगवंतो का सामैया एवं मंगलगीतों के गुंजन के साथ स्वागत किया। शोभायात्रा में शंखेश्वर जैन संघ सहित नगर के विभिन्न समाज के नागरिकों ने उपस्थित रहकर सर्वधर्म समभाव के भाव व्यक्त किए। शोभायात्रा का स्वागत शंखेश्वर जैन संघ, राष्ट्रीय स्वयं सेवक, शंखेश्वर गाम पंचायत के नागरिकों आदि ने किया। ट्रस्ट मंडल ने शोभायात्रा का स्वागत किया चातुर्मास मंगल प्रवेश की धर्मसभा राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर के संकुल में अस्थाई निर्मित पुण्य सम्राट प्रवचन मंडप हुई जिसमें आचार्यश्री हेमचन्द्रसूरी, पूर्णचन्द्रसूरीजी, महानंदसूरीजी, दिव्यशचंद्रसूरीजी सहित अनेक साधु साध्वी उपस्थित थे। संगीतकार कुणालभाई ने संगीत के स्वरों ससभा को गुरु भक्तिमय बनाया। धर्म सभा में पधारे हुए गुरु भगवंतों को कांबली प्रदान करने का लाभ राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर ट्रस्ट द्वारा लिया गया। इस मौके पर पाटण जिला कलेक्टर वंदनसिंह सहित भारत के विभिन्न राज्यों के नगरों से बड़ी संख्या में गुरु भक्त शामिल हुए। चातुर्मास प्रवेश प्रसंग पर आचार्य जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा. के फोटो पर एवं निश्रा प्रदाता गुरु भगवंतो के गुरु पूजन का लाभ जापान से आई तुलसीबाई परिवार ने लिया। कार्यक्रम का संचालन हंसमुखभाई वेदलिया ने किया। चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम की व्यवस्था में राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर ट्रस्ट शंखेश्वर के अध्यक्ष एवं ट्रस्ट मंडल ओर मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी के संसारी भाणेज केयुर दोशी अहमदाबाद व योगेश शाह का विशेष योगदान रहा।

कर्नाटक संघों द्वारा की गई राष्ट्रव्यापी हड़ताल, सामान्य जनजीवन प्रभावित नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में केंद्र सरकार की कथित 'श्रम विरोधी' नीतियों के विरोध में बुधवार को मजदूर संघों द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल के मद्देनजर विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया गया, लेकिन इससे सामान्य जनजीवन प्रभावित नहीं रहा। बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बसों का सामान्य रूप से संचालन होता रहा जबकि यात्रियों के लिए ऑटो और कैब सुविधाएं भी उपलब्ध रहीं। कर्नाटक सरकार द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के लिए अवकाश की घोषणा नहीं किए जाने से स्कूल और कॉलेज खुले रहे।

इस बीच, फ्रीडम पार्क में विभिन्न श्रमिक संगठनों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने श्रम कानूनों में संशोधन वापस लेने, श्रमिक विरोधी नीतियों और कर्मचारियों के काम के घंटे बढ़ाने के प्रस्ताव को रद्द करने की मांग की।

हुबबल्ली में मजदूर संघों की संयुक्त समिति के तहत विभिन्न संघों के सदस्यों ने सरकार की कथित मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और राष्ट्र विरोधी नीतियों के विरोध में रैली निकाली। उन्होंने इस नीति को बड़ी कंपनियों को फायदा पहुंचाने वाला बताया। इसी तरह, मैसूरु में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी) और अन्य संगठनों द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया। बीदर में भी महिलाओं समेत मज़दूर सड़कों पर उतर आए।

मजदूर संघों के संयुक्त मंच द्वारा 24 घंटे की हड़ताल का आह्वान किया गया है, जिसमें 10 केंद्रीय मजदूर संघों (सीटीयू) के साथ ही स्वतंत्र अखिल भारतीय क्षेत्रीय महासंघ और एसोसिएशन शामिल हैं।

प्रदर्शन

टीएमसीपी के प्रदेश उपाध्यक्ष और नरसिंह दत्ता कॉलेज के पूर्व छात्र सौविक रे से जुड़े कथित रैगिंग मामले के खिलाफ हावड़ा में बुधवार को प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने भाजपा प्रदर्शनकारियों को रोका।

संकल्पों से जीवन बनता है सुरक्षित और सफल : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

आषाढ़ी चतुर्दशी पर हुई वर्षावास की विधिवत शुरुआत

गदग/दक्षिण भारत। यहां बुधवार को भोर वेला में प्रतिक्रमण के साथ आषाढ़ी चतुर्दशी के विधानों की शुरुआत हुई। शुद्ध परिधान में विशिष्ट पूजा-अर्चना और आरती के लिए पार्श्वनाथ जिनालय में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए। प्रातः नौ बजे गुरुवंदना और बड़े मंगलपाठ के साथ वर्षावास की पहली धर्मसभा आयोजित हुई। समभाव की साधना के रूप में सामयिक व्रत ग्रहण कर लोगों ने भावपूर्वक जिनवाणी का श्रवण किया। सैकड़ों की संख्या में साधकों ने एकासना, आयंबिल और उपवास का तप किया। बुधवार को आषाढ़ी चतुर्दशी के दिन वर्षावास की विधिवत शुरुआत करते हुए नगर के जीरावला पार्श्वनाथ जैन सभागृह में जैनाचार्य ने साधकों को आध्यात्मिक विकास के सोपान बताए। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि जिस तरह ब्रेक गाड़ी की सुरक्षा के लिए होते हैं, बिना ब्रेक की गाड़ी दुर्घटना ले आती है; उसी तरह बिना नीति-नियमों का जीवन बर्बाद हो जाता है। मर्यादाएं जीवन की सुरक्षा है। नीति-नियम बंधन नहीं हैं, अपितु उपकारक हैं। छोटे-छोटे संकल्पों से जीवन सफल, मज़बूत और सुरक्षित बनता है। यदि समय-समय पर इस बात के प्रयोग किए जाएं तो पाएंगे कि जीवन की सफलता व सुरक्षा में शुभ संकल्पों और नीति-नियमों की बहुत बड़ी भूमिका है। आचार्यश्री ने कहा कि

साधु-साध्वियों और संत-सतियों का वर्षायोग श्रावक-श्राविका वर्ग के धर्म जागरण का द्योतक है। समाज, धर्म और आध्यत्म के अनेकविध आयोजन इसी समय सफल होते हैं। भगवान महावीरस्वामी से चली आ रही वर्षावास की इस प्राचीन परंपरा ने समाज, राष्ट्र और जीवसृष्टि को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा कि संकल्प आत्मविश्वास को प्रबल बनाते हैं। वे मनुष्य को भटकने से बचाते हैं। संकल्पों और मर्यादाओं से जीवन की नीति-रीति का निर्माण होता है। जहां मर्यादाएं नहीं होती, वहां मनस्विता मनुष्य को मार्गभ्रष्ट कर देती है। शुभ संकल्प मनुष्य का सुशोभन है। नीति-नियमों की निर्मल भावधारा में बंधा जीवन गौरवशाली है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि गणि पद्मविमलसागरजी और सहवर्ती श्रमणों ने धर्म अनुष्ठान संपन्न कराए। मंत्री हरीश गादिया ने बताया कि गुरुवार को गुरुपूर्णिमा का महोत्सव मनाया जाएगा।

अरुणाचल प्रदेश की सीमा तिब्बत से लगती है, चीन से नहीं: पेमा खांडू

नई दिल्ली/भाषा। चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू का कहना है कि ये नाम बदलने का खेल है, वरना हकीकत ये है कि हमारे राज्य की सीमा चीन से नहीं बल्कि तिब्बत से लगती है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यह बात 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में कही। खांडू ने साक्षात्कार में कहा कि अगर यह तथ्यात्मक रूप से अज्ञानतापूर्ण लगता है तो जरा दोबारा विचार करें। वास्तव में अरुणाचल प्रदेश की 1,200 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा तिब्बत से लगती है, चीन से नहीं।

उनका यह बयान क्षेत्र की संवेदनशीलता और अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे तथा राज्य के स्थानों के बार-बार नाम बदलने के उसके रुख के बीच आया है।

सिद्दरामय्या ने रक्षा मंत्री से मुलाकात की, रक्षा गलियारे व दशहरा में 'एयर शो' की मंजूरी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर दशहरा उत्सव के दौरान वार्षिक 'एयर शो' के आयोजन और राज्य के लिए एक रक्षा गलियारा परियोजना आवंटित करने का अनुरोध किया।

सिद्दरामय्या ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, मैंने रक्षा मंत्री से मुलाकात कर तीन मुख्य मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 'एयर शो' के आयोजन पर भी चर्चा की। सितंबर के अंत में मनाए जाने वाले मैसूरु दशहरा के दौरान 'एयर शो' एक प्रमुख आकर्षण रहता है। उन्होंने कहा, हम हर वर्ष दशहरा उत्सव के दौरान एक 'एयर शो' आयोजित करते हैं।

हमने केंद्र से इस साल फिर से इसे आयोजित करने का अनुरोध किया है। सिद्दरामय्या ने तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश की तरह कर्नाटक के लिए भी रक्षा गलियारे की मांग की। उन्होंने राज्य में तीन प्रमुख परियोजनाओं – सुरंग परियोजना, बेल्लारी हवाई अड्डे तक संपर्क मार्ग और डबल-डेकर फ्लाईओवर के कार्यान्वयन के लिए रक्षा भूमि की भी मांग की। सिद्दरामय्या ने कहा, उन्होंने 'एयर शो' के लिए सहमति दे दी है जबकि अन्य प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री केजे जार्ज, एमबी पाटिल आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अगर उन्हें समय दिया जाता है तो उनकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से भी मिलने की योजना है।

मंत्रिमंडल में कोई फेरबदल नहीं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को नई दिल्ली में राज्य में कांग्रेस नीत सरकार में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल मंत्रिमंडल संरचना में बदलाव की कोई योजना नहीं है। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, मंत्रिमंडल में कोई फेरबदल नहीं होने वाला है। मैं और मुख्यमंत्री राज्य के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय मंत्रियों से मिल रहे हैं।

राज्य में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद उनके मुख्यमंत्री बनने की कयासबाजी पर शिवकुमार ने इसे मीडिया की अटकलें करार दिया और स्पष्ट किया कि ऐसी कोई योजना नहीं है। कर्नाटक कांग्रेस 2023 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बीच बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद की व्यवस्था की खबरों को लेकर सवालों के दायरे में है। दोनों नेताओं ने हालांकि सार्वजनिक रूप से ऐसे किसी औपचारिक समझौते से इनकार किया है, लेकिन पार्टी हलकों में अटकलें जारी हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में कहा था कि पार्टी के समक्ष तत्काल फेरबदल का कोई प्रस्ताव नहीं है और यदि ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है तो मीडिया को सूचित किया जाएगा। कुछ मंत्री हालांकि कथित तौर पर प्रदर्शन और भ्रष्टाचार संबंधी चिंताओं के कारण जांच के दायरे में हैं, लेकिन इन दावों को सरकार या पार्टी नेतृत्व द्वारा आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया गया है।

शिवकुमार ने बताया कि सिद्दरामय्या केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलकर एक एयर शो की अनुमति मांग रहे हैं, जो

सितंबर के अंत में मनाए जाने वाले मैसूर दशहरा के दौरान एक प्रमुख कार्यक्रम बन गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अगले विधानसभा सत्र से पहले विधान परिषद के चार रिक्त पदों को भर दिया जाएगा। जल संसाधन विभाग की भी जिम्मेदारी संभालने वाले शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को केंद्रीय पर्यावरण और जल शक्ति मंत्रियों से मुलाकात की और येत्तिनाहोल परियोजना और कलसा बंडूरी परियोजना सहित कई जल परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने की मांग की।

येत्तिनाहोल एकीकृत जल आपूर्ति परियोजना पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने वन भूमि संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए तुमकुर और हासन जिलों में काम रोक दिया है। उन्होंने कहा, हमने वैकल्पिक भूमि उपलब्ध करा दी है और शीघ्र वन मंजूरी मांगी है ताकि काम जारी रखा जा सके। शिवकुमार ने यह भी मांग की कि केंद्र सरकार कृष्णा नदी के जल को कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच आवंटित करने के संबंध में कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण के फैसले के लिए एक राजपत्र अधिसूचना जारी करे। उन्होंने कहा, दो बार बैठक बिना किसी कारण के स्थगित कर दी गई। मुझे बताया गया कि इस मुद्दे पर इसी महीने बैठक होगी।

शिवकुमार ने की प्रियंका गांधी से मुलाकात

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने नई दिल्ली में बुधवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से उनके आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है कि जब ऐसी खबरें हैं कि शिवकुमार सरकार गठन के समय के 'समझौते' के आधार पर खुद को शेष ढाई साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। शिवकुमार ने इस मुलाकात का कोई विवरण नहीं दिया और सिर्फ यह कहा, ''मैं उस जगह (प्रियंका के आवास) गया था।'' मई 2023 में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस ने किसी तरह शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनने के लिए राजी कर लिया था।

उस समय ऐसी खबरें थीं कि ''बारी-बारी से मुख्यमंत्री'' बनने को लेकर एक समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत शिवकुमार को ढाई साल बाद नवंबर 2025 में मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। हालांकि, पार्टी की ओर से इस समझौते की आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं हुई है।

सिकंदराबाद-अरसीकेरे और हैदराबाद-अरसीकेरे के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए सिकंदराबाद-अरसीकेरे और हैदराबाद-अरसीकेरे के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेनों के संचालन की अधिसूचना जारी की है। ट्रेन संख्या 07079/07080 सिकंदराबाद-अरसीकेरे-सिकंदराबाद साप्ताहिक विशेष ट्रेन प्रत्येक दिशा में आठ फेरों के लिए चलेगी। ट्रेन संख्या 07079 सिकंदराबाद-अर्सिकेरे स्पेशल 13 जुलाई से 31 अगस्त तक रविवार को और ट्रेन संख्या 07080 अर्सिकेरे-सिकंदराबाद स्पेशल 14 जुलाई से 1 सितम्बर तक सोमवार को चलेगी। इन ट्रेनों में 2 एसी टू टियर कोच, 6 एसी थ्री टियर कोच, 7 स्लीपर क्लास कोच, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1 लगेज सह जेनरेटर कार और 1 एसएलआरडी कोच होगा।

ट्रेन संख्या 07069/07070 हैदराबाद-अर्सिकेरे-हैदराबाद साप्ताहिक स्पेशल भी प्रत्येक दिशा में आठ फेरों के लिए चलेगी। ट्रेन संख्या 07069 हैदराबाद-अर्सिकेरे स्पेशल 8 जुलाई से 26 अगस्त तक प्रत्येक मंगलवार को चलेगी, जबकि ट्रेन संख्या 07070 अर्सिकेरे-हैदराबाद स्पेशल 9 जुलाई से 27 अगस्त तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी। इन ट्रेनों में 4 एसी टू टियर कोच, 8 एसी थ्री टियर कोच, 6 स्लीपर क्लास कोच, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1 लगेज सह जेनरेटर कार और 1 एसएलआरडी कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 07079 सिकंदराबाद – अर्सिकेरे स्पेशल रविवार को सिकंदराबाद से 18:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन (सोमवार) 12:45 बजे अर्सिकेरे पहुँचेगी। रास्ते में, यह बेगमपेट, लिंगमपल्ली, विकाराबाद, तंदूर, यादगीर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, गुंतकल, गूटी, अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदूपुर, यलहंका और तुमकुरु में रुकेगी। ट्रेन नंबर 07080 अरसीकेरे – सिकंदराबाद स्पेशल सोमवार को 14:00 बजे अरसीकेरे से प्रस्थान करेगी और अगले दिन (मंगलवार) 07:45 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी, यह ट्रेन तुमकुरु, यलहंका, हिंदूपुर, धर्मावरम, अनंतपुर, गूटी, गुंतकल, मंत्रालयम रोड, रायचूर, कृष्णा, यादगीर, तंदूर, विकाराबाद, लिंगमपल्ली और बेगमपेट स्टेशन पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 07069 हैदराबाद-अर्सिकेरे स्पेशल मंगलवार को हैदराबाद से 19:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन (बुधवार) दोपहर 12:45 बजे अर्सिकेरे पहुँचेगी। यह सिकंदराबाद, काचेगुडा, उम्दानगर, शादनगर, जादचेरला, महबूबनगर, वानापर्थी रोड, गडवाल, कुरनूल सिटी, डोन, अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदूपुर, येलहंका और तुमकुरु स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन नंबर 07070 अर्सीकेरे – हैदराबाद स्पेशल बुधवार को 14:00 बजे अरसीकेरे से रवाना होगी और अगले दिन (गुरुवार) 07:50 बजे हैदराबाद पहुंचेगी, यह ट्रेन तुमकुरु, यलहंका, हिंदूपुर, धर्मावरम, अनंतपुर, धोने, कुरनूल सिटी, गडवाल, वानापर्थी रोड, महबूबनगर, जडचेरला, शादनगर, उमदानगर काचीगुडा और सिकंदराबाद् में रुकेगी।

उत्तर रेलवे में परिचालन बाधा के चलते कुछ ट्रेनें हुई रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने उत्तर रेलवे पर परिचालन संबंधी बाधाओं के चलते साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन सेवाओं को रद्द कर दिया है।

ट्रेन संख्या 06529 एसएमवीटी बेंगलूरु-गोमती नगर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, जिसे पहले 25 अगस्त तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, वह 11 से 25 अगस्त तक रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 06530 गोमती नगर – एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, जिसे पहले 29 अगसत तक चलने के लिए निर्धारित किया गया था, वह 15 से 29 अगस्त तक रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 07327 बेलगावी-मऊ जंक्शन साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, जिसे पहले 31 अगस्त तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 20 जुलाई से 31 अगस्त तक रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 07328 मऊ जंक्शन-बेलगावी साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, जिसे पहले 3 सितम्बर तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 23 जुलाई से 3 सितम्बर तक रद्द किया गया है।

स्वागत

बुधवार को एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने बेंगलूरु पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी, विधायक सिद्दू पाटिल, शरणु सालगर, दिनाकर शेट्टी उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

बलात्कार मामला : जमानत के लिए पहुंचे प्रज्ज्वल रेवन्ना को कर्नाटक उच्च न्यायालय का सत्र-अदालत जाने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को जनता दल सेक्युलर (जद-एस) के निलंबित नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना को उनके खिलाफ दर्ज बहुचर्चित बलात्कार मामले में जमानत के लिए सत्र न्यायालय जाने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अधीनस्थ अदालत द्वारा रेवन्ना की याचिका पर विचार करने के बाद, यदि आवश्यक हो तो वह उच्च न्यायालय में वापस आ सकते हैं।

न्यायमूर्ति एस आर कृष्ण कुमार ने कहा कि रेवन्ना के लिए यह अधिक उचित होगा कि वह उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप का अनुरोध करने से पहले अधीनस्थ अदालत में सभी उपलब्ध विकल्पों को आजमाएं। इस मामले में जमानत पाने के लिए रेवन्ना द्वारा यह दूसरा प्रयास है। रेवन्ना की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभुलिंग नवदगी ने दलील दी कि उच्च न्यायालय को जमानत याचिका पर सीधे सुनवाई करने का पूरा अधिकार है। हालांकि, पीठ ने कहा कि सही कानूनी रास्ता यही होगा कि पहले सत्र न्यायालय की ओर रुख किया जाए। नवदगी के अनुरोध पर, उच्च न्यायालय ने अधीनस्थ अदालत को निर्देश दिया कि वह नयी जमानत अर्जी के दाखिल होने की तारीख से 10 दिन के भीतर उस पर फैसला करे।

रेवन्ना यौन उत्पीड़न, ताक-झांक और अश्लील सामग्री के प्रसार से जुड़ी चार अलग-अलग प्राथमिकियों में मुख्य आरोपी हैं। ये मामले तब सामने आए जब कथित तौर पर यौन हिंसा को दर्शाने वाले 2,900 से ज्यादा वीडियो क्लिप ऑनलाइन और सोशल मीडिया मंचों पर व्यापक रूप से साझा किए गए। पहली प्राथमिकी अप्रैल 2023 में रेवन्ना के पारिवारिक फार्महाउस में काम करने वाली एक घरेलू सहायिका ने दर्ज कराई थी। उसने रेवन्ना पर बार-बार बलात्कार करने और मुंह खोलने पर इस कृत्य का वीडियो क्लिप लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। उसकी शिकायत के अनुसार, यह उत्पीड़न 2021 में शुरू हुआ था।

बेंगलूरु की निचली अदालत ने पहले ही रेवन्ना के खिलाफ कई आरोप तय कर दिए हैं, जिनमें बलात्कार, आपराधिक धमकी, ताक-झांक और बिना सहमति के निजी तस्वीरें जारी करना आदि शामिल हैं। रेवन्ना की पिछली ज़मानत याचिका अक्टूबर 2023 में उच्च न्यायालय ने खारिज कर दी थी।

इसके बाद, उच्चतम न्यायालय ने भी उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। मार्च 2024 में, उन्होंने परिस्थितियों में 'बदलाव' का हवाला देते हुए उच्च न्यायालय में एक नयी जमानत याचिका दायर की। उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया कि मुकदमा शुरू करने में लंबे समय तक देरी के परिणामस्वरूप संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है।

मोदी सरकार की 'मजदूर विरोधी, किसान विरोधी' नीतियों के विरोध में है हड़ताल : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बुधवार को कहा कि 10 केंद्रीय श्रमिक संगठनों की ओर से आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल का उद्देश्य केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की कथित श्रमिक विरोधी और किसान विरोधी नीतियों का विरोध करना है। सुरजेवाला ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार से आंखें खोलने और लोगों की समस्याओं को देखने का आग्रह किया। साथ ही उस पर विकास को रोकने, नौकरियां छीनने और देश में आर्थिक अशांति पैदा करने का आरोप लगाया।

सुरजेवाला ने कहा, ''भाजपा सरकार पर्याप्त रोजगार देने में विफल रही है, भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के विभिन्न विभागों में 30 लाख से अधिक रिक्तियां हैं। उदाहरण के लिए सशस्त्र बलों में लगभग 1.55 लाख रिक्तियां हैं। रेलवे में 2.5 लाख से अधिक रिक्त पद हैं। सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में 85,000 से अधिक रिक्तियां हैं।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में प्रश्नात्मक लहजे में कहा, ''बढ़ती बेरोजगारी और लोक सेवा कर्मियों की तत्काल आवश्यकता के बावजूद भारत सरकार इन 30 लाख रिक्तियों को भरने से इनकार क्यों कर रही है?''

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में बेरोजगारी खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है जिसकी वर्तमान दर 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (सीएमआईई) के अनुसार 7.5 प्रतिशत है। यह 45 वर्षों में सबसे अधिक बेरोजगारी दर है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''इस संकट के बावजूद सरकार प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। ट्रेड यूनियनें बढ़ती बेरोज़गारी और सरकार की निष्क्रियता की ओर प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान आकर्षित करने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रही हैं।'' सुरजेवाला ने कहा कि भारत में धन असमानता बढ़ती जा रही है, अमीर और अधिक अमीर होते जा रहे हैं जबकि गरीब लगातार कष्ट झेल रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर भारत अब दुनिया में 50वें सबसे गरीब देश के रूप में शुमार है, जिसकी औसत आय 2,900 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2.42 लाख रुपये) है जो बांग्लादेश, कंबोडिया, केन्या और यहां तक कि हैती जैसे देशों से भी कम है।

इसकी तुलना में वैश्विक औसत प्रति व्यक्ति आय करीब 13,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 0.85 लाख रुपये) है, जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मौजूदा सरकार के शासन में भारत कितना पीछे रह गया है।'' कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि आज अर्थव्यवस्था भारी संकट में है, मोटरसाइकिल और स्कूटर की बिक्री में भारी गिरावट आई है, उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री में गिरावट आई है, कपड़ा क्षेत्र में अभूतपूर्व संकट देखा गया है क्योंकि कपड़ा उद्योग ने उत्पादन में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की है, इसके अलावा रियल एस्टेट क्षेत्र में भी संकट है।

सिद्दरामय्या, शिवकुमार की खरगे और राहुल गांधी से प्रस्तावित मुलाकात से चर्चाओं का दौर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से प्रस्तावित मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, ये दोनों नेता बुधवार शाम को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। सिद्दरामय्या और शिवकुमार ने कहा है कि उनकी दिल्ली यात्रा आधिकारिक कार्यों से संबंधित है, लेकिन शीर्ष नेताओं के साथ उनकी बैठक कर्नाटक के मंत्रियों और विधायकों द्वारा राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के संकेत और पार्टी के भीतर असंतोष के मद्देनजर महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कांग्रेस महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलूरु में डेरा डाले हुए हैं और मंत्रियों तथा विधायकों के मुद्दों के हल के लिए बैठकें कर रहे हैं।

सुरजेवाला ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाओं पर टिप्पणी करने से मंगलवार को इनकार कर दिया और कहा कि यह अब प्रासंगिक नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ऐसे निर्णय पार्टी आलाकमान लेता है। हालांकि, सुरजेवाला ने नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा से इनकार किया, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि कांग्रेस महासचिव नवंबर या दिसंबर तक नेतृत्व परिवर्तन की जमीन तैयार कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं को नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे समेत पार्टी और सरकार के आंतरिक मामलों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा न करने के सख्त निर्देश दिए जाने के बावजूद विधायक मुखर हैं।

कुछ कांग्रेस विधायक सरकार से नाराज हैं। कागवाड़ से विधायक राजू कागे ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास न होने के कारण इस्तीफा देने की धमकी दी है। अलंद के विधायक बी.आर. पाटिल ने हाल ही में गरीब परिवारों के लिए आवास योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उनका समर्थन करते हुए, बेलूर के एक अन्य कांग्रेस विधायक गोपाल कृष्ण ने आवास मंत्री बी.जेड. ज़मीर अहमद खान से इस्तीफा देने की मांग की।सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने सितंबर में एक बड़े घटनाक्रम की भविष्यवाणी की। सुरजेवाला द्वारा विधायकों के साथ बैठक किए जाने के बीच मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने जोर देकर कहा कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। इसके जवाब में, शिवकुमार खेमे के रामनगर से विधायक एच. ए. इकबाल हुसैन सहित कुछ कांग्रेस विधायकों ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके नेता मुख्यमंत्री बनें।

शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने न केवल यह कहा कि वह पार्टी के निर्णय का पालन करेंगे, बल्कि अपने समर्थक एवं विधायक हुसैन को उनके बयान के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया।

उपमुख्यमंत्री और उनके भाई डी.के. सुरेश ने कहा है कि मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है। मई 2023 में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस ने किसी तरह शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनने के लिए राजी कर लिया था। उस समय यह भी खबरें थीं कि बारी-बारी से ''मुख्यमंत्री'' बनने को लेकर एक समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत शिवकुमार को ढाई साल बाद नवंबर 2025 में मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

कारगिल विजय दिवस आउटरीच कार्यक्रम के दौरान वीरांगनाओं को किया सलाम

कोप्पल/दक्षिण भारत। कारगिल विजय दिवस आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, नायब सूबेदार तिलका सीएल के नेतृत्व में भारतीय सेना की एक टीम ने बुधवार को कर्नाटक के कोप्पल जिले में वीर योद्धा लांस हवलदार मल्लाया (315 एफडी रेजिमेंट) की पत्नी सरोजा तथा नायक शिवा बसैया (28 आरआर बटालियन) की पत्नी निर्मला कुलकर्णी से मुलाकात की।

इस अवसर पर भारतीय सेना की ओर से जीओसी का एक स्मृति चिह्न और व्यक्तिगत पत्र सौंपा गया। इस समारोह में सहायक आयुक्त कैप्टन महेश मालगिटी, तहसीलदार विट्ठल चुगुले, डिफेंस ईएसएम प्रमुख मारुति गुंडी तथा मल्लाया और बसैया के परिवार के सदस्यों, पूर्व सैनिकों ने भी भाग लिया।

शादी का प्रस्ताव ठुकराए जाने पर लड़की के चेहरे पर डाला तेजाब, आत्महत्या का प्रयास किया

चिक्कबल्लापुर। चिक्कबल्लापुर में शादी का प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद एक व्यक्ति ने 18-वर्षीय लड़की पर टॉयलेट साफ करने वाले तेजाब से कथित तौर पर मंगलवार को हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर डीजल डालकर खुद को आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। यह घटना चिक्कबल्लापुर जिले के मंचनाबेले गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, 20 वर्षीय आनंद कुमार पीड़िता का रिश्तेदार है और उससे शादी करना चाहता था।

वायुसेना का जगुआर विमान चुरू जिले में दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय वायुसेना का एक जगुआर प्रशिक्षण विमान बुधवार दोपहर राजस्थान के चुरू जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे दो पायलट की मौत हो गई। वायु सेना ने एक बयान में कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' के आदेश दिये गए हैं। बयान में कहा गया, वायुसेना का एक जगुआर प्रशिक्षण विमान आज राजस्थान के चुरू के पास एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

इसमें कहा गया, दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गई। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वायुसेना ने हादसे में जनहानि पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। वायुसेना ने कहा हादसे के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है।

इससे पहले दिन में, राजलदेसर के थानाधिकारी कमलेश ने बताया कि विमान दोपहर करीब 1:25 बजे भाणुदा गांव के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। उन्होंने बताया कि दुर्घटना स्थल के पास मानव शरीर के अंग मिले हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद, स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें विमान का जलता हुआ मलबा मिला। रतनगढ़ के वृत्ताधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि राजलदेसर और रतनगढ़ थाने से पुलिसकर्मी, दमकल विभाग और एम्बुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। इलाके की घेराबंदी की गईहै। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, चुरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र में भारतीय वायु सेना के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। घटना के तुरंत बाद से प्रशासन अलर्ट मोड पर है और राहत-बचाव कार्य के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लिखा, ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति दें। राज्यपाल ने भी हादसे में हुई मौतों को लेकर शोक व्यक्त किया।

बागड़े, भजनलाल एवं देवनानी ने जगुआर लड़ाकू विमान हादसे पर जताई शोक संवेदना

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र में हुए भारतीय वायुसेना के विमान हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने ईश्वर से हादसे के मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। शर्मा ने कहा कि चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र में भारतीय वायुसेना के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

घटना के तुरंत बाद से प्रशासन अलर्ट मोड पर है और राहत-बचाव कार्य के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। देवनानी ने भी ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। गहलोत ने इस हादसे में शहीद हुए पायलट तथा को-पायलट को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को धैर्य तथा संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि बुधवार दोपहर में भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान चुरू जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस हादसे में दोनों पायलट की मौत हो गई।

कई शहरों में 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने देश के कई शहरों में 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करके इसके सरगना को कर्नाटक के बेंगलुरु शहर से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार इस गिरोह ने हरियाणा के चंडीगढ़ व सोनीपत, दिल्ली के रोहिणी, बिहार के पटना और कर्नाटक के बेंगलुरु सहित कई शहरों में 'डिजिटल अरेस्ट' वारदातों को अंजाम दिया है, जहां इनसे संबंधित अन्य प्रकरण या शिकायतें दर्ज हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी-साइबर अपराध) शांतनु कुमार ने मंगलवार को बताया कि जयपुर में 75 वर्षीय बुजुर्ग को 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर 23.56 लाख रुपये ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने मुख्य खाताधारक और तीन अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। अब पुलिस ने इस गैंग के मुख्य सरगना को भी कर्नाटक के बेंगलुरु शहर से दबोच लिया है। इस गिरोह का जाल देश के कई बड़े शहरों तक फैला था। उन्होंने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का सरगना सनी कुमार है। विभिन्न जानकारियों की कड़ी जोड़ते हुए पुलिस ने बेंगलुरु से सनी कुमार शर्मा (26) को पकड़ा। वह हवेली खरगपुर मुंगेर बिहार का रहने वाला है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस गिरोह ने चंडीगढ़, सोनीपत, दिल्ली, पटना और बेंगलुरु सहित कई शहरों में इसी तरह की 'डिजिटल अरेस्ट' वारदातों को अंजाम दिया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस अभिरक्षा में चल रहे आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

झुंझुनू जिले में नवनिर्मित हाईवे का एक हिस्सा भारी बारिश के कारण बहा

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में नवनिर्मित राज्य राजमार्ग का एक हिस्सा भारी बारिश के बाद उफनती कटली नदी की चपेट में आकर बह गया। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी लापरवाही पर सवाल उठने लगे हैं। झुंझुनू पुलिस नियंत्रण कक्ष के अनुसार बाघुली और जहाज गांवों को राष्ट्रीय राजमार्ग 52 से जोड़ने वाला यह हिस्सा छह महीने पहले ही बनकर तैयार हुआ था और लोगों को इसके औपचारिक उद्घाटन का इंतजार था। हाल ही में रविवार को हुई मूसलाधार बारिश से कटली नदी का जलस्तर नाटकीय रूप से बढ़ गया और वह इस सड़क के एक बड़े हिस्से को बहा ले गया।

मौसम विभाग के अनुसार, इस इलाके में एक ही दिन में 86 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस हाइवे के हिस्से के बहने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसमें स्थानीय लोग यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि नदी का बहाव इतना तेज था कि एक बिजली का खंभा भी उखड़ गया, जो पानी में गिर गया। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया और जवाबदेही तय करने की मांग की। कुछ ग्रामीणों के अनुसार कटली नदी में अतिक्रमण और अवैध बजरी खनन लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। राज्य प्रशासन ने हाल ही में इन समस्याओं के समाधान के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया है।

राज्यवर्धन राठौड़ का खेतों में संवादः अन्न गांव की ताकत है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक और राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज ग्राम पंचायत जौधवाड़ा का दौरा किया, जहां उन्होंने बाजरा की फसल का जायज़ा लेने के साथ खेतों में खड़े होकर किसानों से सीधी बातचीत की। उनका यह दौरा केवल निरीक्षण भर नहीं था, बल्कि एक सक्रिय जनप्रतिनिधि द्वारा ज़मीन से जुड़ी राजनीति का उदाहरण था, जिसमें किसानों की समस्याएं सुनी गईं और समाधान के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

कर्नल राठौड़ ने खेत में खड़े होकर सिंचाई, बीज वितरण, समर्थन मूल्य और विपणन से जुड़ी समस्याएं सुनीं। किसानों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि बाजरा अब केवल एक 'मोटा अनाज' नहीं, बल्कि 'अन्न' बन चुका है, जो भारत की पोषण सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बनने जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाजरे को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाए जाने का ज़िक्र करते हुए कहा कि अब ज़िम्मेदारी हमारी है कि इसे गांव-गांव तक पहुंचाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि झोटवाड़ा के किसान सिर्फ परंपरागत खेती तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे नवाचार और तकनीक को भी अपना रहे हैं।

ऐसे किसानों को सरकार की हर योजनाओं से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। राठौड़ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सिंचाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, उन्नत बीजों का समय पर वितरण सुनिश्चित हो और 'अन्न योजना' तथा 'मिलेट मिशन' के तहत किसानों को प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही यह भी कहा कि स्थानीय किसानों को मंडियों और बड़े बाज़ारों तक बेहतर पहुंच मिले, इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएं। कर्नल राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि झोटवाड़ा के खेतों की हरियाली ही हमारे भविष्य की नींव है। अगर किसान मज़बूत होंगे, तो राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह सिर्फ कृषि नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है।

दौरे के दौरान बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। किसानों ने इस मौके पर अपनी समस्याएं खुलकर रखीं और मंत्री के समाधानात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि यह दौरा दिखाता है कि जनसेवा केवल मंचों से भाषण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि जब एक मंत्री खेत में उतरता है और किसान के साथ खड़ा होता है, तभी असली राजनीति और सेवा का अर्थ सामने आता है। कुल मिलाकर, कर्नल राठौड़ का यह दौरा सिर्फ एक सरकारी औपचारिकता नहीं, बल्कि अन्न के माध्यम से भारत के ग्रामीण जीवन को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस और ज़मीन से जुड़ा कदम था। यह स्पष्ट संकेत है कि झोटवाड़ा जैसे क्षेत्र न केवल खाद्यान्न उत्पादन में, बल्कि कृषि नवाचार और राष्ट्रीय नीतियों के क्रियान्वयन में भी अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

रोडवेज बस, डंफर की टक्कर में चार की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनुमानगढ़।राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाना क्षेत्र में मेगा हाईवे पर नगराना गांव के निकट बुधवार को रोडवेज बस और बजरी से भरे डंफर की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और अन्य 17 घायल हो गए। थाना प्रभारी अमरसिंह ने बताया कि सुबह करीब पूर्वाह्न साढ़े आठ बजे नगराना गांव के नजदीक मेगा हाईवे पर हनुमानगढ़ जंक्शन से चंडीगढ़ जा रही राजस्थान रोडवेज की बस एक वाहन से आगे निकलने के प्रयास में सड़क किनारे खड़े डंफर से टकरा गयी।

बस और डंपर की टक्कर में बस में सवार 20 से अधिक लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से निकालकर हनुमानगढ़ टाऊन के सिविल अस्पताल पहुंचाया।

जहां राजवीर (52), पृथ्वीराज (52), बस परिचालक रवींद्र (50) और विनोद तंवर (65) की मौत हो गयी और अन्य पांच घायलों को भर्ती किया गया जबकि कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी और कुछ को उनके परिजन निजी अस्पतालों में ले गये। बस में करीब 25 यात्री सवार थे। पुलिस ने बताया चारों शव को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सुपुर्द दिया गया।

एक मृतक के परिजन द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर डंफर चालक पर वाहन को लापरवाही से सड़क पर खड़ा करने के आरोप में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने राजमार्ग पर यातायात को सुचारू करने के लिए क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवा दिया है।

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/उदयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल टेलर मर्डर की रिलीज पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। यह फिल्म जून 2022 में उदयपुर में टेलर कन्हैया लाल की हत्या की घटना पर आधारित है। जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कन्हैया लाल की हत्या के एक आरोपी मोहम्मद जावेद के वकील को पहले याचिका में मौजूद गलतियों को सुधारने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि अभी कन्हैया लाल मर्डर केस की सुनवाई चल रही है और सुनवाई के बीच फिल्म के रिलीज होने से आरोपी का निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार प्रभावित हो सकता है। फिल्म उदयपुर फाइल्स 11 जुलाई को रिलीज होनी है। पीठ ने फिल्म की रिलीज से पहले याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता के वकील से कहा

कि वे पहले नियमित पीठ के समक्ष अपील करें।

यह याचिका मोहम्मद जावेद ने दायर की थी, जो कन्हैया लाल की हत्या के मामले में आरोपी है। याचिका में मामले की सुनवाई पूरी होने तक फिल्म की रिलीज पर रोक की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि फिल्म अपने ट्रेलर और प्रचार सामग्री से सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ प्रतीत होती है, और इस समय फिल्म को रिलीज़ करने से चल रही कार्यवाही पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के उदयपुर में रहने वाले दर्जी कन्हैया लाल की जून 2022 में कथित तौर पर मोहम्मद रियाज और मोहम्मद गौस ने घृणा अपराध के चलते नृशंस हत्या कर दी थी। हमलावरों ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें दावा किया गया था कि यह हत्या पूर्व भाजपा नेता नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर की गई विवादास्पद टिप्पणियों के बाद उनके समर्थन में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करने के कारण की गई थी।

इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने की और आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं के अलावा, कठोर गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह मुकदमा जयपुर स्थित विशेष एनआईए अदालत में लंबित है।

रिश्वत लेते अधिशाषी अभियंता गिरफ्तार

भरतपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भरतपुर में राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम के जिला भरतपुर कार्यालय के अधिशाषी अभियंता (सिविल) को मंगलवार को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने एसीबी की भरतपुर चौकी में शिकायत की कि उसके द्वारा किये गये कार्यों के बिल मंजूर करने की एवज में राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम के जिला भरतपुर कार्यालय का अधिशाषी अभियंता अवनीश सोनी 15 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है।

उन्होंने बताया कि सत्यापन के दौरान सोनी ने राशि बढ़ाकर 36 हजार रुपये कर दी। बाद में वह 30 हजार रुपये लेने पर सहमत हो गया। श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो के भरतपुर चौकी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में गठित ब्यूरो के दल ने जाल बिछाकर सोनी को परिवादी से 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

दीया कुमारी ने अश्विनी वैष्णव के पिता के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी बुधवार को जोधपुर पहुंचीं और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के पिता स्वर्गीय दाऊलाल वैष्णव के निधन पर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। दीया कुमारी ने स्व. दाऊलाल वैष्णव के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में धैर्य और संबल बनाए रखने की प्रार्थना की। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

सामंजस्यपूर्ण जीवन की नींव अध्यात्म की सुदृढ भारतीय परम्परा : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के सत्य साईं ट्रस्ट जिले में स्थित 'प्रशांति निलयम' में 'सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए मानव मूल्य' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने सत्य साईं केन्द्रीय ट्रस्ट की संगोष्ठी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सामंजस्यपूर्ण जीवन की नींव अध्यात्म की सुदृढ भारतीय परम्परा पर खड़ी है। भारतीय परम्परा में अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीवन जीने को महान कहा गया है।

उन्होंने सत्य साईं का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अध्यात्म के उन मूल्यों को जिया जिसमें दीन दुखियों के लिए सोच रखकर कार्य करने को ही ईश्वर की सर्वोत्तम सेवा माना गया है। राज्यपाल ने कहा कि जब हम निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करते हैं, तभी हम ईश्वर के करीब आते हैं। उन्होंने अध्यात्म की भारतीय परम्परा पर चर्चा करते हुए कहा कि अध्यात्म धर्म नहीं है। अध्यात्म का अर्थ है अपने आपको जानना।

उन्होंने कहा कि अध्यात्म मानवीय मूल्यों से और सेवा कार्य से जोड़ने की हमें सीख देता है। उन्होंने नर सेवा को ही नारायण सेवा बताते हुए कहा कि सनातन संस्कृति जीवन के उदात्त मूल्यों पर जोर देती है। इसमें आपदा के समय मनुष्यता को बचाने और प्राणियों के कल्याण को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है।

योगी आदित्यनाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अयोध्या में पौधारोपण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बुधवार को यहां सरयू नदी के किनारे त्रिवेणी वाटिका में बरगद, नीम और पीपल के पौधे लगाकर इसे भगवान श्रीराम, धरती माता और जन्मदायिनी माता को समर्पित किया। अयोध्या में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ इस अभियान की महत्ता पर जोर दिया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की अभूतपूर्व प्रगति पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस दौरान 204 करोड़ पौधे लगाए गए जिनमें से 75 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य में पांच लाख एकड़ क्षेत्र में वन आच्छादन बढ़ा है।'' एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने हीटवेव (गर्म हवा) को ग्रीनवेव (शीतल हवा) में बदला है। यह प्रयास न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।''

उन्होंने वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का उल्लेख करते हुए कहा, ''पेड़ों में भी जीवन है और ये छाया, फल, मृदा संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।''

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मुख्यमंत्री ने धरती माता और जन्मदायिनी मां के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बताया। उन्होंने वैदिक उद्घोष 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' का उल्लेख करते हुए कहा, ''एक सच्चा पुत्र वही है जो अपनी मां की सेवा और रक्षा करता है। यह अभियान वर्तमान को संवारने और भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। पेड़ हमें प्रदूषण, सांस की बीमारियों और कार्बन उत्सर्जन के दुष्प्रभावों से बचाएंगे।'' मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक चुनौती बताते हुए कहा कि अतिवृष्टि, अनावृष्टि और बादल फटने जैसी घटनाएं अनियोजित विकास का परिणाम हैं। उन्होंने अमेरिका के टेक्सास में हाल में हुई एक घटना का जिक्र किया जहां अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों बच्चे लापता हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नियोजित और वैज्ञानिक प्रयासों से विकास और पर्यावरण संरक्षण में संतुलन स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''आठ साल पहले शुरू हुए इस अभियान में शुरुआत में केवल पांच करोड़ पौधे उपलब्ध थे लेकिन वन विभाग, मनरेगा और निजी क्षेत्र के सहयोग से आज 52 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि पौधारोपण अभियान ने न केवल पर्यावरण को लाभ पहुंचाया, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है।

गुरु गोरखनाथ की मूर्ति क्षतिग्रस्त करने के आरोप में तांत्रिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फर नगर जिले के चरथावल क्षेत्र एक मंदिर में गुरु गोरखनाथ की मूर्ति को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) देवव्रत बाजपेयी ने संवाददाताओं को बताया कि बुधवार सुबह घीसुखेड़ा गांव में स्थित एक मंदिर में हुई इस घटना के लिए पुलिस ने बुधवार को एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, हालांकि सीसीटीवी फुटेज की जांच में ओमपाल उपाध्याय नामक व्यक्ति मूर्ति को क्षतिग्रस्त करते हुए दिखाई दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बाजपेयी ने बताया कि पूछताछ के दौरान उपाध्याय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। इससे पहले, इस घटना से नाराज स्थानीय लोगों और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मंदिर के बाहर विरोध प्रदर्शन और धरना किया। वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया।

ईडी ने उप्र में धर्मांतरण गिरोह के संबंध में धन शोधन का मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में हाल ही में भंडाफोड़ किये गए धर्मांतरण गिरोह के संबंध में धन शोधन का मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने आरोपियों द्वारा संभावित रूप से ''अपराध से आय'' सृजित किये जाने की जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विभिन्न धाराएं लगाई हैं।

केंद्रीय एजेंसी की जांच उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा लखनऊ के गोमतीनगर स्थित एक पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता और उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्मांतरण प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है। पुलिस ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने हिंदू और अन्य गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित करने के लिए संगठित तरीके से काम किया। कथित सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा सहित चार लोगों को एटीएस ने जांच के तहत गिरफ्तार किया है। तीन अन्य आरोपी नवीन उर्फ जमालुद्दीन और महबूब (जलालुद्दीन का बेटा) और नीतू उर्फ नसरीन हैं। वे फिलहाल जेल में बंद हैं। पुलिस ने बयान में कहा था कि ''गरीब, असहाय मजदूरों, कमजोर वर्गों और विधवा महिलाओं को प्रलोभन, वित्तीय सहायता, शादी के वादे या धमकी के माध्यम से बहकाया गया...।'' सूत्रों ने बताया कि ईडी इस मामले में अर्जित अवैध धन और पीएमएलए के तहत अपराध से अर्जित आय की संभावित मात्रा का आकलन करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस, सपा और बसपा का 2047 तक हो जाएगा सफाया : मौर्य

मेरठ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को दावा किया कि वर्ष 2047 तक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का भारतीय राजनीति से पूरी तरह सफाया हो जाएगा। मौर्य ने मेरठ में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत पौधरोपण करने के बाद अपने संबोधन में विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए मौर्य ने कहा, ''सपा का इतिहास भगवान राम के भक्तों पर गोली चलाने और कांवड़ियों पर बल प्रयोग करने से जुड़ा है। इसके विपरीत वर्तमान भाजपा नीत सरकार उन पर पुष्प वर्षा कर रही है। यही अंतर सपा के राजनीतिक भविष्य को आकार देगा।''

मौर्य ने दावा किया, ''भाजपा 2027 के विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी जबकि जनता ने भी मन बना लिया है कि 2047 तक सपा जैसी पार्टियों का पूरी तरह सफाया हो जाएगा।'' धर्मांतरण पर टिप्पणी करते हुए मौर्य ने कहा कि सरकार धर्म के नाम पर लोगों को 'धोखा' देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने आगे कहा, ''अगर कोई दूसरों को धोखा देने के लिए अपनी पहचान छिपाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'' केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के नेता जयंत चौधरी के हालिया बयान पर मौर्य ने कहा कि चौधरी ने सही बात कही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ बंद रख न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कर रहा कोशिश विपक्ष : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का पुरजोर समर्थन करते हुए बुधवार को इस प्रक्रिया के खिलाफ राज्य में बंद आहूत करने के लिए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या वे चाहते हैं कि रोहिंग्या समेत अवैध घुसपैठिए चुनाव में मतदान करें।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बंद के पीछे की मंशा पर सवाल उठाया और विपक्षी दलों से पूछा कि क्या वे इस तरह की रणनीति के जरिए न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इन सभी नेताओं ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, जो उनका अधिकार है। लेकिन जब कल सुनवाई होने वाली है, तो वे दबाव बनाने के लिए आज सड़क पर राजनीति क्यों कर रहे हैं?'' प्रसाद ने सवाल किया कि जब उच्चतम न्यायालय में सुनवाई होनी है तो आज सड़कों पर उतरने का क्या उद्देश्य है। उन्होंने कहा, ''क्या यह न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश है?'' उन्होंने कहा, ''इन लोगों को या तो न्यायपालिका पर भरोसा करना चाहिए या सड़कों पर उतरने के विकल्प पर ही बने रहना चाहिए।'' प्रसाद ने कहा कि केवल वे ही लोग चुनाव में मतदान कर सकते हैं जो भारतीय नागरिक हैं, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं, तथा सामान्यतः उस क्षेत्र के निवासी हैं जहां वे मतदान के लिए पंजीकृत हैं। उन्होंने सवाल किया, ''ऐसे में अगर मतदाता सूची में संशोधन किया जा रहा है तो क्या परेशानी है?'' भाजपा नेता ने कहा, ''क्या वे (विपक्षी नेता) चाहते हैं कि मतदाता सूची में उन लोगों के नाम भी रहें जो वहां नहीं हैं, जैसे घुसपैठियों के? क्या यह सच नहीं है कि कभी-कभी रोहिंग्या या ऐसे ही अन्य लोग अवैध रूप से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा लेते हैं? अगर काम पूरी ईमानदारी से हो रहा है, तो इसमें आपत्ति क्या है?''

प्रसाद ने कहा कि संदेश स्पष्ट है कि विपक्षी नेता इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर उन लोगों को लाभ पहुंचाना चाहते हैं, जिनका नाम अवैध रूप से मतदाता सूची में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, ''वास्तविकता यह है कि वे बिहार चुनाव नहीं जीतेंगे, जैसे वे हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में हार गए थे। इसकी जानकारी उन्हें भी है।''

भाजपा की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेता बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ बिहार में राज्यव्यापी बंद में शामिल हुए।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण के समय और मंशा पर सवाल उठाते हुए विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने यह प्रक्रिया राज्य में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले शुरू की है, ताकि ''काफी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया जा सके'' और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को लाभ पहुंचाया जा सके।

नीति आयोग के मानचित्र में बिहार बना प. बंगाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को नीति आयोग के उपाध्यक्ष को पत्र लिखकर एक आधिकारिक रिपोर्ट में अपने राज्य को बिहार के रूप में दर्शाये जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री ने इस त्रुटि की निंदा की और उनसे माफी की मांग करते हुए इस संबंध में तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने को कहा।

बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में पत्र की एक प्रति और भारत के मानचित्र का स्क्रीनशॉट साझा किया। यह मानचित्र रिपोर्ट के पहले पृष्ठ पर है, जिसमें बिहार को पश्चिम बंगाल के रूप में दर्शाया गया है। बनर्जी ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन के. बेरी को लिखा, ''मैं अत्यधिक चिंता और स्पष्ट अस्वीकृति के साथ लिख रही हूं कि नीति आयोग द्वारा प्रकाशित और इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध 'पश्चिम बंगाल राज्य के लिए सारांश रिपोर्ट' में इस राज्य को मानचित्र में बिहार के क्षेत्र को दर्शाया गया है।'' इस त्रुटि को नीति आयोग की ''गंभीर चूक'' बताते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि नीति आयोग के आधिकारिक प्रकाशन में इस तरह की बड़ी गलती राज्यों के प्रति ''सम्मान की कमी'' को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''इससे संस्था के काम की विश्वसनीयता के बारे में वाजिब चिंताएं पैदा हुईं, जिस पर नीति निर्माता और नागरिक सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए निर्भर हैं तथा नीति आयोग की रिपोर्टों और प्रकाशनों की गुणवत्ता, प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा होता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''पश्चिम बंगाल सरकार इस त्रुटि की कड़ी निंदा करती है और नीति आयोग से स्पष्टीकरण जारी करने तथा क्षमा मांगने, दस्तावेज में सुधार के लिए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने तथा भविष्य में ऐसी चूक को रोकने के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करने की मांग करती है।'' इससे पहले दिन में, तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले ने इस बारे में सवाल उठाया कि कैसे नीति आयोग की रिपोर्ट के पहले पन्ने पर बिहार को पश्चिम बंगाल के रूप में दर्शाया गया है।

महाराष्ट्र चुनाव में धांधली हुई, हम बिहार में ऐसा नहीं होने देंगे: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाभ पहुंचाने के लिए ''धांधली'' की गई और केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनावों में भी ऐसा करना चाहती है।

गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ पटना में निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक विरोध मार्च के दौरान 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा और राजग को लाभ पहुंचाने के लिए धांधली की गई थी। वे बिहार में भी इसे दोहराना चाहते हैं जो हम होने नहीं देंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में हेराफेरी करने के 'महाराष्ट्र मॉडल' का विस्तार है और इससे ''न केवल लोगों के वोट देने के अधिकार को बल्कि उनके पूरे भविष्य को हथिया लिया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग को संविधान की रक्षा करनी चाहिए... वह भाजपा के निर्देशों पर काम कर रहा है। इन निर्वाचन आयुक्तों को भाजपा ने ही नामित किया है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण चुनावी चोरी का एक प्रयास है। हम निर्वाचन आयोग को मतदाताओं, खासकर युवाओं के (मतदान के) अधिकार छीनने नहीं देंगे।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता सुबह राज्य की राजधानी पहुंचे। उनके साथ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा और अन्य विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता भी थे। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग में ''भाजपा द्वारा नामित'' लोग शामिल हैं और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य सत्तारूढ़ पार्टी की ''सेवा'' करना है।

गांधी राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए यहां आए। यह प्रदर्शन चार नई श्रम संहिताओं के खिलाफ श्रमिक संगठनों द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी 'चक्का जाम' का हिस्सा है। देशव्यापी हड़ताल के तहत बिहार में किए जा रहे विरोध प्रदर्शन में मतदाता सूची पुनरीक्षण का मुद्दा भी जोड़ा गया है।

अपनी शैली में संविधान की लाल प्रति लिए राहुल गांधी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भाषा बोल रहा है। पहले निर्वाचन आयोग के सदस्यों के चयन में भारत के प्रधान न्यायाधीश और विपक्ष के नेता शामिल होते थे लेकिन अब हमें इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है और भाजपा द्वारा नामित निर्वाचन आयुक्तों के नामों वाला एक कागज थमा दिया गया।''

झारखंड के सभी सरकारी अस्पतालों में होगी मुफ्त वाईफाई सुविधा

रांची/भाषा। झारखंड सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों को मुफ्त वाई-फाई सुविधा से लैस करने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह सुविधा एक महीने में सभी जिला अस्पतालों में उपलब्ध हो जाएगी जबकि अगले छह महीने में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लोग वाईफाई की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अजय कुमार ने एक बयान में बताया, यह पहल डिजिटल स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे लोग अस्पताल परिसर में बैठे-बैठे ही स्वास्थ्य पोर्टल, महत्वपूर्ण वेबसाइटों और सरकारी योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

उन्होंने बताया कि यह सेवा अस्पतालों में प्रतीक्षा करते समय मरीजों को उपयोगी जानकारी प्राप्त करने में मदद करने के लिए शुरू की जा रही है।

त्रिपुरा में बाढ़ से 100 से अधिक परिवार बेघर हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। दक्षिण त्रिपुरा जिले में आई बाढ़ के कारण 100 से अधिक परिवार बेघर हो गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिले के सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बुधवार को एहतियातन बंद हैं।

जिला प्रशासन ने मंगलवार को लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ के मद्देनजर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने को कहा है। मुहुरी नदी का जलस्तर खतरे के निशान (15.70 मीटर) से ऊपर है जिससे तटबंध के दोनों ओर बाढ़ आ गई है। दक्षिण त्रिपुरा के जिलाधिकारी (डीएम) मुहम्मद सज्जाद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सोमवार रात से लगातार हो रही बारिश के कारण बेलोनिया और संतिरबाजार उप-मंडलों के कई निचले इलाके बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। इसके कारण 118 परिवारों के 289 लोगों ने 10 राहत शिविरों में शरण ली है।'' उन्होंने बताया कि मुहुरी में जलस्तर 15.70 मीटर पर पहुंच गया है जो खतरे के निशान से थोड़ा ऊपर है लेकिन पिछले कुछ घंटों में बारिश की तीव्रता में उल्लेखनीय कमी आई है। सज्जाद ने कहा कि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को जरूरत पड़ने पर सुरक्षित निकासी के लिए सतर्क रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, ''आपदा प्रबंधन दल और नगर निकाय अधिकारी मदद के लिए तैयार हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।'' सज्जाद ने कहा कि अचानक आई बाढ़ के मद्देनजर बुधवार को सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे।

देश में नदी जल मापक 17 केंद्रों में पानी चेतावनी के स्तर से ऊपर : केंद्रीय जल आयोग

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, देश भर में 17 'रिवर गेज स्टेशन' में वर्तमान में पानी चेतावनी के स्तर से ऊपर है और इनमें से चार में बाढ़ की गंभीर स्थिति है जहां जल स्तर खतरे के निशान पर या उससे ऊपर है। रिवर गेज स्टेशन, ऐसे स्थान हैं जहां नदी, नहर, झील या जलाशय में जल स्तर और प्रवाह दर को व्यवस्थित तरीके से मापा जाता है। असम में धनसिरी नदी और महाराष्ट्र में वेनगंगा नदी पर स्थित जल स्तर मापक केंद्रों सहित चार स्थानों पर बाढ़ की गंभीर स्थिति है, जो बाढ़ के गंभीर खतरे का संकेत देते हैं। तेरह अतिरिक्त स्टेशनों पर ''बाढ़ की स्थिति सामान्य से अधिक'' देखी जा रही है, जहां जल स्तर चेतावनी के स्तर को पार कर गया है, लेकिन खतरे की सीमा से नीचे बना हुआ है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर विराट कोहली ने कहा,

जब आप हर चार दिन में दाढ़ी रंगते हैं तो समय आ गया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारतीय स्टार विराट कोहली ने लंदन में युवराज सिंह के 'फंडरेजर' कार्यक्रम में अपने टेस्ट करियर के संन्यास के बारे में बात करते हुए खूब हंसी मजाक किया और कहा कि 'जब आप हर चार दिन में दाढ़ी रंगते हैं तो मतलब है कि समय आ गया है'।

कोहली अब लंदन में रहते हैं। वह हाल में विम्बलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में दिखाई दिए जिसमें वह भूरे रंग के सूट में काफी स्टाइलिश लग रहे थे। इसके बाद वह तुरंत 'यूवीकैन' कैंसर फंडरेजर (धनराशि जुटाना) कार्यक्रम में पहुंच गए। भारतीय टीम भी इस कार्यक्रम में मौजूद थी और कार्यक्रम के प्रस्तुतकर्ता ने कोहली के टीम का हिस्सा नहीं होने का जिक्र क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड दौरे से पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी। प्रस्तुतकर्ता गौरव कपूर ने कहा, ''मैदान पर हमें आपकी कमी खलती है।''

रवि शास्त्री, क्रिस गेल, केविन पीटरसन और युवराज तब कोहली के बगल में खड़े थे और इस भारतीय सुपरस्टार ने कुछ देर रुककर जवाब दिया, ''मैंने अभी दो दिन पहले ही अपनी दाढ़ी रंगी है। आपको पता है कि जब आप हर चार दिन में अपनी दाढ़ी रंगते हैं तो यह आराम करने का समय होता है।''

कोहली इस 'फंडरेजर' कार्यक्रम के बीच में आए लेकिन स्पष्ट रूप से 'शोस्टॉपर' रहे। उन्होंने शास्त्री के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की जो उस समय मुख्य कोच थे जब कोहली टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर ले गए थे। कोहली ने कहा, ''सच कहूं तो अगर मैं तब उनके साथ नहीं होता तो टेस्ट क्रिकेट में जो हुआ वो मुमकिन नहीं हो पाता। हमारे बीच जो स्पष्टता थी वो ढूंढ पाना बहुत मुश्किल है। क्रिकेटरों के करियर में आगे बढ़ने के लिए यही सब कुछ होता है।''

कोहली ने कहा, ''उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में जिस तरह सवालों का डटकर सामना किया, वह अहम था। वर्ना चीजें अलग हो सकती थीं। मेरे मन में हमेशा उनके लिए सम्मान और आदर है क्योंकि वह मेरी क्रिकेट यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे।'' शास्त्री ने भी कोहली की तारीफ का जवाब देते हुए कहा कि वह पिछले 15 साल के सबसे प्रभावशाली क्रिकेटर हैं।

शास्त्री ने कहा, ''आप विश्व कप और दूसरे खिताब जीतते हैं लेकिन वह लाल गेंद के क्रिकेट को अगले स्तर पर ले जाना चाहते थे। एक बार जब उन्होंने सफलता का मंत्र तय कर लिया तो बाकियों को भी उनका अनुसरण करना पड़ा।''

उन्होंने कहा, ''अगर भारत आज टेस्ट क्रिकेट में इस स्तर पर खेल रहा है, विशेषकर उनके नेतृत्व में जो युवा पीढ़ी खेली है, उन्हें उनका शुक्रिया अदा करना चाहिए। यहां तक कि विश्व क्रिकेट को भी उनका शुक्रिया अदा करना चाहिए। भारत के टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने से पैसा आया और बीसीसीआई को उसका हिस्सा मिला।

विश्व कप का सपना बरकरार, यही हमारा लक्ष्य है : स्वीटी देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीनियर खिलाड़ी नगांगबाम स्वीटी देवी ने कहा कि महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य हासिल करने के बाद भारतीय महिला फुटबॉल टीम का अगला लक्ष्य अब निकट भविष्य में फीफा विश्व कप में जगह बनाना है। भारत ने पिछले शनिवार को एशियाई कप 2026 क्वालीफायर ग्रुप बी के चौथे और अंतिम मैच में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर अगले साल होने वाले मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। संगीता बासफोर के दो गोल की बदौलत भारत ने यादगार जीत दर्ज की जिससे टीम 22 साल बाद टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही।

'सेंटर-बैक' स्वीटी देवी ने इस यादगार मुकाबले में टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने कहा, ''सच कहूं तो इसे बयां करना अभी भी मुश्किल है।'' उन्होंने कहा, ''इस मुकाबले में काफी मिली-जुली भावनाएं थीं। यह हमें सच भी नहीं लग रहा था। हम एक-दूसरे को दिलासा देते रहे, 'हां, यह हो गया है, हमने सचमुच कर दिखाया है।' '' उन्होंने कहा, ''वो अहसास, उसे बयां नहीं किया जा सकता। जो कोई भी महिला फुटबॉल का समर्थन करता है या उसका हिस्सा है, वह समझ सकता है कि क्वालीफाई करने का अहसास कैसा होता है।'' महिला एशियाई कप से फीफा महिला विश्व कप का रास्ता भी खुलता है। इस मैच के बाद भावनाओं और आंसुओं के उफान के बाद कोच क्रिस्पिन छेत्री ने सभी से गले मिलने के बाद उन्हें इकट्ठा किया और उन्हें अगले लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। छेत्री ने कहा, ''पहाड़ की चोटी दूसरे पहाड़ की तलहटी होती है। हमें एक टीम के रूप में सीखते और आगे बढ़ते रहना चाहिए। हम एशियाई कप में पहुंच गए हैं। हमारा अगला लक्ष्य विश्व कप है। हमें सपने देखते रहना होगा।''

सुविचार

राधा का नाम कृष्ण की जुबां पर सजे, प्रेम के हर मोड़ पर वही गीत बजे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विलय की राह पर क्यों ये स्कूल ?

उत्तर प्रदेश में कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों के विलय संबंधी फैसले के खिलाफ कई शिक्षकों और संगठनों के विरोध प्रदर्शन से ऐसे सवाल पैदा होते हैं, जिनकी ओर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। सरकार लगभग 5,000 सरकारी प्राथमिक स्कूलों का विलय कर रही है। उसके फैसले को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी वैध ठहरा दिया है। इससे पहले, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों के विलय का विरोध हुआ था। सवाल है- सरकारें इन स्कूलों का विलय क्यों करती हैं? जवाब है- इनमें विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम होती है। कई स्कूल तो ऐसे हैं, जहां विद्यार्थियों की संख्या से ज्यादा शिक्षकों की संख्या है! इन स्कूलों पर सरकारें अरबों रुपए खर्च कर रही हैं। इसके बावजूद नतीजा यह है! अगर समय रहते पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारी होती, नए प्रयोग किए होते और बच्चों को प्रोत्साहन दिया होता तो यह नौबत ही न आती। भारत में सरकारी स्कूलों के हालात किसी से छिपे हुए नहीं हैं। क्या वजह है कि सरकारों द्वारा भारी-भरकम राशि खर्च किए जाने के बावजूद सरकारी स्कूल पिछड़ते जा रहे हैं, जबकि प्राइवेट स्कूल, जिनमें से ज्यादातर के शिक्षकों का वेतन बहुत कम होता है, के पास 'उपलब्धि' दिखाने के लिए बहुत कुछ होता है? हमें इस पर विचार करना चाहिए। कुछ लोग सरकारी प्राथमिक स्कूलों में दाखिलों की संख्या में गिरावट आने की बहुत अजीब वजह बताते हैं। उनका मानना है कि 'कुल प्रजनन दर (टीएफआर) में गिरावट आने से ऐसा हो रहा है ... पहले जिन सरकारी स्कूलों में बैठने के लिए जगह बड़ी मुश्किल से मिलती थी, आज वे सुनसान होते जा रहे हैं।' अगर ऐसा है तो उन गांवों से प्राइवेट स्कूलों की बसें भर-भरकर क्यों जा रही हैं?

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में टीएफआर में इतनी गिरावट भी नहीं आई है। अस्पतालों का पांच-छह साल पुराना रिकॉर्ड देखेंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में रोजाना हजारों बच्चों का जन्म हुआ था। आज वे बच्चे स्कूल जा रहे होंगे। अगर उनका दाखिला सरकारी प्राथमिक स्कूलों में कराया जाता तो निश्चित रूप से नामांकन में बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिलती। ऐसा नहीं हो रहा है तो स्पष्ट है कि प्राइवेट स्कूलों का पलड़ा भारी है। एक आम आदमी, जो हर महीने बमुश्किल दस-पंद्रह हजार रुपए कमाता है, वह भी चाहता है कि उसके बच्चे अंग्रेजी माध्यम के अच्छे प्राइवेट स्कूल में पढ़ें। यह सोच क्यों पैदा हुई? बेशक लोगों को प्राइवेट स्कूलों से कई शिकायतें हैं। उनके शुल्क में बढ़ोतरी को लेकर हर साल विरोध प्रदर्शन होते हैं। उस समय अभिभावक सरकारों से अपील करते हैं कि वे हस्तक्षेप करें और शुल्क कम करवाएं। उनकी इस मांग को गलत नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि कुछ स्कूलों का शुल्क काफी ज्यादा होता है। हालांकि अभिभावक कभी इस बात के लिए बड़ा आंदोलन नहीं करते कि सरकारी स्कूलों की ओर भी कुछ ध्यान दिया जाए, उनकी गुणवत्ता सुधारी जाए, सुविधाएं बढ़ाई जाएं। जैसे ही प्राइवेट स्कूल अपने शुल्क में थोड़ी-सी कटौती कर देते हैं, विरोध प्रदर्शन बंद हो जाते हैं। कई जगह तो प्राइवेट और सरकारी स्कूल आस-पास ही स्थित होते हैं। एक ओर जहां प्राइवेट स्कूलों में सुबह बच्चों की लंबी कतारें लगी होती हैं, वहीं सरकारी स्कूलों में थोड़े-से बच्चे दिखाई देते हैं। ऐसा ही नज़ारा छुट्टी के समय होता है। सरकारी स्कूलों से अभिभावकों का मोहभंग रातोंरात नहीं हुआ है। प्राइवेट स्कूल एक मजबूत विकल्प बनकर उभरे हैं तो इसके पीछे उनके शिक्षकों की कड़ी मेहनत है। उनके योगदान को स्वीकार करना होगा। जिन इलाकों में सरकारी स्कूल बहुत अच्छे नतीजे दे रहे हैं, वहां अभिभावक अपने बच्चों का उनमें दाखिला भी करवा रहे हैं। आज गुणवत्ता ज्यादा मायने रखती है। जो स्कूल इसकी ओर ध्यान देंगे, वहां बच्चे जरूर आएंगे।

ट्वीटर टॉक

मैं जब देश का गृहमंत्री बना, तब सभी लोग मुझसे कहते थे कि आपको तो बड़ा महत्वपूर्ण विभाग मिल गया है। लेकिन जिस दिन मुझे सहकारिता मंत्री बनाया गया, उस दिन मुझे लगा कि गृह मंत्रालय से भी बड़ा डिपार्टमेंट मुझे मिल गया है।

-अमित शाह

हनुमानगढ़ में दुर्घटना में हुई जनहानि की सूचना अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्रातिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। घायलों को समुचित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है।

-भजनलाल शर्मा

चूरू के रतनगढ़ में वायु सेना के लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार मिला है। दर्दनाक हादसे में शहीद हुए पायलटों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। ईश्वर परिवारजनों को दुःख की घड़ी में शक्ति प्रदान करें।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

समस्या से मजबूती

एक बार किशोर चेखव की माताजी को सिलाई मशीन के अभाव में हाथ से रूमाल तैयार करके ग्राहक को देने पड़े। सारी रात सिलाई करने से उनकी दुखती आंखों का हाल बुरा था। उसी पल चेखव ने अपने एक जूनियर को मेडिकल कालेज की तैयारी में मदद करके आमदनी बढ़ाने का संकल्प कर लिया। इक्कीस साल की आयु में वह एक सशक्त कथाकार और चिकित्सा-विज्ञान में हुनरमंद हो चुके थे। महान कथाकार अंतोनी चेखव के प्रशंसक अक्सर उनसे कुछ जानना और सीखना चाहते थे। वह हमेशा यही सीख देते कि विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश फैलाया जा सकता है। हम बाहर की चुनौतियों से नहीं, बल्कि अपने अंदर की कमजोरी से हारते हैं। हमारी सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं मजबूत बनाने आती हैं।

सामयिक

शताब्दी वर्ष में समाज परिवर्तन के लिए सक्रिय संघ

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान के स्थानीय अनुभवों तथा लोगों की प्रतिक्रियाओं की इससे ज्यादा अधिकृत जानकारी किसी संगठन को नहीं प्राप्त हो सकती। इस फीडबैक से भविष्य में ऐसी चुनौतियों से निपटने को लेकर समाज व संगठन के साथ सरकार के लिए भी कुछ दिशा मिलेगी। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का विराट स्वरूप प्रदर्शित हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राजधानी दिल्ली में 4 से 6 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक वैसे तो राजनीतिक दलों एवं मीडिया के लिए किसी हलचल मचाने वाले समाचार का कारण नहीं बना, पर इसके महत्व से इनकार नहीं किया जा सकता। संघ ने संगठन की दृष्टि से पूरे देश को 11 क्षेत्र एवं 46 प्रांतों में बांटा है। बैठक में सरसंघचालक, सरकार्यवाह एवं सहसर्यकार्यवाह सहित केंद्रीय पदाधिकारियों, सभी प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक, सभी क्षेत्र प्रचारक, सह क्षेत्र प्रचारक के साथ 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री शामिल हों तो इसका महत्व समझ में अपने -आप आ जाता है। यानी संघ और इससे जुड़े संगठनों का संपूर्ण संघ प्रतिनिधि नेतृत्व की वहां उपस्थिति केवल मिलने जुलने के लिए तो नहीं हो सकती। संघ का गहराई से अध्ययन करने वाले या निकट से उसकी गतिविधियों पर निष्पक्ष दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि बैठकों के सभी सत्रों के विषय एवं प्रारूप निर्धारित होते हैं। विरोधियों के तीखे तेवरों के विपरीत बैठक हमेशा शांत संतुलित व्यवस्थित माहौल में संपन्न होता है। इसमें सामान्य दलीय राजनीति पर विचार के लिए गुंजाइश नहीं होती है। जितनी जानकारी है भाजपा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर बाहर की उत्कंठा के विपरीत यह चर्चा में भी नहीं आया। संघ के वर्ष में कुछ निश्चित आयोजन हैं जिनमें प्रांत प्रचारक बैठक भी शामिल है। मार्च में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक तथा अप्रैल से जून तक प्रशिक्षण वर्गों के संपन्न होने के बाद यह बैठक आयोजित होती है। इसलिए इसमें देश भर के पूरे वृतांत तथा भविष्य के संगठन की योजनाओं पर फोकस रहता है।

वैसे भी संघ का मुख्य फोकस संगठन, समाज जागरण तथा समाज परिवर्तन है तो इसका फोकस वही रहेगा। जैसा हम जानते हैं इस वर्ष विजयादशमी यानी 2 अक्टूबर से संघ शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। पिछले काफी समय से आगामी 2 अक्टूबर से लेकर 2 अक्टूबर 2026 तक इसके आयोजनों और कार्यक्रमों को लेकर गंभीर चर्चा हमारे सामने आते रहे हैं। स्वाभाविक ही इस समय की अधिकतर बैठकों का केंद्र बिंदु शताब्दी वर्ष ही होगा। जितनी जानकारी है संघ अन्य संगठनों या राजनीतिक दलों की तरह शताब्दी वर्ष पर कोई एक बड़ा आयोजन करने की जगह इसका उपयोग संगठन विसृतार, हिंदुत्व केंद्रित विचार को अधिकतम लोगों तक पहुंचाने तथा समाज परिवर्तन की दृष्टि से कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए कर रहा है। योजना अनुसार नागपुर में 2 अक्टूबर को वार्षिक विजयादशमी उत्सव में सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत की हर वर्ष की तरह उपस्थिति एवं संबोधन के साथ उसी दिन देशभर में शाखा/मंडल/बस्ती के स्तर पर उत्सव आयोजित होंगे। विशेष अभियानों के तहत स्वयंसेवक घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। गृह संपर्क अभियान के दौरान स्वयंसेवक संघ साहित्य देकर बातचीत करेंगे। सरसंघचालक मोहन भागवत का विशेष संवाद कार्यक्रम चार शहरों दिल्ली, मुंबई, कोलकता, बेंगलूरु में आयोजित होगा, जिसमें आमंत्रित लोगों के समक्ष अपनी बात रखेंगे तथा संवाद भी होगा। संघ ने शताब्दी वर्ष में समाज परिवर्तन की दृष्टि से पांच परिवर्तन का विचार रखा है जिसमें सामाजिक समरसता, परिवार यानी कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्य शामिल है। दरअसल , मोहन भागवत ने 2021 में समाज परिवर्तन की दृष्टि से ये पांच विषय सामने रखे थे और संघ इस पर काम कर रहा है। इससे संबंधित अलग-अलग सामाजिक सद्भाव सम्मेलन युवाओं का परिवारों का तथा इसी दृष्टि से संवाद आदि के सतत कार्यक्रम हैं। स्वाभाविक ही प्रांत प्रचारक बैठक में कहां-कहां कितने और कौन से कार्यक्रम हो सकते हैं तथा उनमें अपेक्षित संख्या की कितनी संभावना होगी, व्यवस्था कैसे हो रही है आदि विषय विंदूवार चर्चा में आए। बैठक से निकलकर सभी प्रांत और क्षेत्र प्रचारक कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी की दृष्टि से बैठकें, एकत्रीकरण आरंभ कर देंगे।

इनकी गहराई से समीक्षा करें तो साफ हो जाएगा कि समाज और सत्ता में व्याप्त विद्रूपताओं की निंदा , आलोचना, विरोध से परे समाज की सहभागिता से सकारात्मक परिवर्तन का उद्देश्य ही इसके पीछे है। जाति भेद से परे हटकर सामाजिक समरसता के अंतर्गत समाज में सद्भाव बढ़े, परिवारों की पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली बने, हममें स्व-बोध यानी अपने राष्ट्र की महान विरासत, महान सभ्यता, संस्कृति, धर्म, अध्यात्म, फोटो में व्याप्त समाज संगठन उपलब्धियां आदि के प्रति गौरव व्याप्त हो, कुटुंब यानी परिवार के सभी सदस्यों-संबंधियों में आत्मीयता व संस्कारों की वृद्धि हो तथा लोग नागरिक के नाते अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो जाएं तो धीरे-धीरे संपूर्ण समाज और देश की स्थिति कितनी सकारात्मक, सहकारी और सशक्त होगी इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है। पहले से इन विषयों पर चर्चाएं हो रही हैं, उनके साहित्य आदि प्रकाशित हैं, बैठकों में भी इन पर मंथन हो रहा है और प्रांत प्रचारक बैठक में संगठन के स्तर पर इसे आगे बढ़ाने की योजना तय हो गई है इसलिए कार्यक्रम भी संपन्न होंगे। विश्व में ऐसा कोई संगठन नहीं होगा जो जितना तय करें सब कुछ उसी के अनुरूप हो जाए और त्वरित लक्ष्यों की प्राप्ति भी। इसलिए यह नहीं कह सकते कि सब कुछ कल्पना के अनुरूप भी हो जाएगा और सारे लक्ष्य भी प्राप्त हो जाएंगे किंतु उस दिशा में कुछ हद तक सफलता मिलेगी यह निश्चित है। जितनी संख्या में व्यक्तियों के अंदर पांच परिवर्तन के लिए भाव जाएंगे वह अपने स्तर पर कुछ ना कुछ करेंगे और समाज के स्तर पर जगह-जगह इन सबके सुखद परिणाम आते रहेंगे। वास्तव में संघ शताब्दी वर्ष की योजना ऐसा नहीं है जिन पर एक वर्ष तक काम किया और फिर।। यह सतत आगे बढ़ते रहने के कार्यक्रम हैं। फिर जिन लोगों से सब ज्ञान के दौरान संपर्क होगा उनके आगे शाखों प्रशिक्षकों आदि की दृष्टि से भी उपयोग की योजनाएं हैं। यानी जो जुड़ें वह छूट नहीं इसकी कोशिश भी होगी। त्वरित परिवर्तन तात्कालिक आंदोलनों से होती है किंतु स्थायी सतत परिवर्तन और प्राप्तियों के लिए अनवरत ऐसे ही समाज के अंदर स्वत: अभियान संचालित होते रहना आवश्यक होता है। संघ की यही कार्य शैली दिखती है।चूंकि स्थापना के कुछ समय बाद से ही संघ के नियमित हर वर्ष प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होते हैं, इसलिए उसे स्वयंसेवक और कार्यकर्ता के रूप में युवा वर्ग उपलब्ध होते हैं। इसी वर्ष आयोजित कुल 100 प्रशिक्षण वर्गों में से 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के स्वयंसेवकों के लिए आयोजित 75 में 17,609 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जबकि प्रकार 40 से 60 वर्ष की आयु के 25 वर्गों में 4270 शिक्षार्थियों ने भाग लिया। इन वर्गों में देश के 8812 स्थानों से स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। आप चाहे संघ की कितनी कटु आलोचना करिए किंतु सोचिए, क्या भारत या दुनिया में कोई दूसरा संगठन इस स्तर पर नियमित प्रशिक्षण वर्ग चलाता है? स्वयंसेवकों में केवल शाखा के कार्यक्रम तक का ही प्रशिक्षण नहीं होता उनकी रुचि के अनुसार सेवा या अन्य क्षेत्रों में जो कार्य समाज की दृष्टि से वे कर सकते हैं उनसे जुड़े कुछ निश्चित क्षेत्रों में कार्य करने में सक्षम बनाने योग्य या उन्नयन का प्रशिक्षण मिलता है।

बैठक है तो इस बीच देश और दुनिया की घटनाएं भी चर्चा में अवश्य आएंगी। अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने पत्रकारों के प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत की सभी भाषाएं राष्ट्र भाषाएं हैं, और संघ का मानना है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए। भाषा संबंधी संघ की सोच अनेक बार सार्वजनिक रूप से रखी जा चुकी है फिर भी विरोधी यही कहते हैं कि संघ केवल हिंदी की ही बात करता है। एक बार पुनः स्पष्ट करने के बाद शायद दुष्प्रचार करने वाले बाज आयें।

पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान के स्थानीय अनुभवों तथा लोगों की प्रतिक्रियाओं की इससे ज्यादा अधिकृत जानकारी किसी संगठन को नहीं प्राप्त हो सकती। इस फीडबैक से भविष्य में ऐसी चुनौतियों से निपटने को लेकर समाज व संगठन के साथ सरकार के लिए भी कुछ दिशा मिलेगी। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का विराट स्वरूप प्रदर्शित हुआ। उससे बने वातावरण को सनातन आध्यात्मिक मूल्यों के साथ हिंदू समाज की एकता के सुदृढ़ीकरण की दृष्टि से क्या हो रहा ,है क्या कर सकते हैं निश्चय ही ये महत्वपूर्ण विषय हैं हर बैठक में इसकी चर्चा हो रही है। डिजिटल माध्यम के नकारात्मक उपयोग से समाज के अंदर बढ़ रही समस्याओं का समाधान कैसे हो इस पर भी चर्चा होने की सूचना है। जैसा ऊपर बताया गया पूरी बैठक संगठन और कार्यक्रमों पर केंद्रित रही, संघ और विविध संगठनों के संगठन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे, इसलिए इसका प्रतिफल धरातल पर दिखाई देगा।

नजरिया

धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाज़ी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें - बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

धर्मांतरण का धंधा: विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

डॉ. सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

धर्म किसी भी समाज की आत्मा होता है, लेकिन जब धर्म का प्रयोग 'धंधे' में बदल जाए तो सवाल सिर्फ आस्था का नहीं, राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों का हो जाता है। उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से छांगरू बाबा उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था।

जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था - जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा 'रेट कार्ड' था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस स्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से - यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं। क्या यह केवल धर्मांतरण के लिए था या इसके पीछे कोई और बड़ा वैश्विक, राजनीतिक या वैचारिक षड्यंत्र भी छिपा है?

इस रैकेट की कार्यशैली में सोशल मीडिया का जबरदस्त उपयोग किया गया। वीडियो, मोटिवेशनल भाषण, इस्लाम कबूल करने से मिली 'राहत' जैसे फर्जी वीडियो वायरल कर कमजोर तबकों को बरगलाया गया। पहले मानसिक रूप से प्रभावित किया गया, फिर आर्थिक लालच दिया गया और अंत में जबरन धर्मांतरण। यह साइकोलॉजिकल वॉरफेयर जैसा है - जहां पहले मस्तिष्क जीता जाता है, फिर शरीर। और सबसे दुखद यह कि इसे धर्म का नाम दिया गया। इस प्रकरण में बलरामपुर जिले के एक पूरे परिवार के धर्मांतरण की पुष्टि हुई है। वहां महिलाओं और बच्चों को टारगेट कर उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह कोई एक अपवाद नहीं, बल्कि उसी पैटर्न का हिस्सा है - जिसमें ग्रामीण, अशिक्षित और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को निशाना बनाया जाता है। यह सामाजिक असमानता का शोषण है। जब राज्य, समाज और प्रशासन इन परिवारों की रक्षा नहीं कर पाते, तो ऐसे गिरोह अपना मकड़जाल फैलाते हैं।

इस रैकेट का सबसे खतरनाक पहलू था - जातिगत दर निर्धारण। ऊंची जाति की लड़कियों के धर्मांतरण के लिए अधिक पैसा दिया जाता था। इसका मतलब है कि धर्मांतरण सिर्फ धर्म का नहीं, जाति-सामाजिक संरचना को तोड़ने का औजार भी बन चुका है।

यह न केवल हिंदू समाज को कमजोर करने की चाल है, बल्कि राष्ट्र को आंतरिक रूप से विखंडित करने की भी रणनीति है। इस मामले पर तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग चुप है। वही वर्ग जो धर्मनिरपेक्षता' की दुहाई देता है, संविधान की आत्मा' की बात करता है, आज गूंगा बना बैठा है। क्यों? क्या धर्मांतरण को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मान लिया गया है? क्या किसी गरीब, दलित, महिला या आदिवासी का जबरन धर्म बदलवाना मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? अगर किसी दलित के मंदिर में प्रवेश करने से किसी को आपत्ति है, तो उस पर शोर मचता है, लेकिन जब उसी दलित को पैसों से धर्म बदलवाया जाता है तो कोई नहीं बोलता। यह मौन स्वयं एक अपराध है।

यह भी गौरतलब है कि ऐसे मामलों पर राजनीतिक दल अक्सर वोट बैंक की राजनीति के कारण खुलकर प्रतिक्रिया नहीं देते। 'अल्पसंख्यकों की संवेदनशीलता' के नाम पर ऐसे राष्ट्रघातक कृत्यों को नजरअंदाज किया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की अखंडता और सामाजिक समरसता वोट बैंक से भी छोटी हो गई है? अगर कोई हिंदू संगठन धर्मांतरण रोकने की बात करता है तो उसे कट्टरपंथी कह दिया जाता है, लेकिन जब धर्मांतरण के नाम पर विदेशी पैसा आकर समाज को तोड़ता है, तो सब चुप हो जाते हैं। यह मामला अकेला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं जो सामाजिक दुर्बलता, आर्थिक मजबूरी और शिक्षा की कमी का लाभ उठाकर धर्मांतरण करा रहे हैं। इससे निपटने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और मजबूत बनाना चाहिए। विदेशी फंडिंग की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र को सशक्त करना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज को आत्मनिर्भर और सजग बनाना जरूरी है।

धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाज़ी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें - बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

पटना में बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में बिहार बंद के दौरान इंडिया एलायंस के समर्थक एक विरोध प्रदर्शन रैली में भाग लेते हुए।

आतंक पर आस्था भारी, श्रद्धालु ने मध्य प्रदेश से अमरनाथ तक की पहली कांवड़ यात्रा

उधमपुर/भाषा। बाधाओं को पार करते हुए तथा भक्ति से प्रेरित होकर हरनाम प्रसाद 105 दिनों से जबलपुर से अमरनाथ गुफा मंदिर तक 1,700 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे हैं, जो कि एक अत्यंत असामान्य कांवड़ यात्रा है। उनका कहना है कि आस्था ने तीर्थयात्रा पर जाने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री के मन से भय को दूर कर दिया है। हिमालय पर्वतमाला पर 3,880 मीटर ऊंचे मंदिर के लिए 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को घाटी से दो मार्गों से शुरू हुई थी – अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा छोटा लेकिन अधिक ढलान वाला बालटाल मार्ग। यात्रा नौ अगस्त को समाप्त होगी।

गुफा मंदिर में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के 105वें दिन, 21 वर्षीय प्रसाद अपने तीन मित्रों के साथ, अमरनाथ गुफा मंदिर में स्थित पूज्य नन्देश्वर महादेव को अर्पित करने के लिए जबलपुर के गवरी घाट से कांवड़ में पवित्र जल लेकर यात्रा के अंतिम चरण में जम्मू-कश्मीर के उधमपुर पहुंचे।

बजरंगबली के झंडे के साथ अपने कंधों पर चार पात्रों में जल लेकर चल रहे प्रसाद का दावा है कि यह हिमालय के गुफा मंदिर की उनकी पहली कांवड़ यात्रा है, जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव के बर्फ के 'लिंगम' के लिए जाना जाता है। प्रसाद ने कहा, मैं 105 दिनों में 1,700 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलकर आज उधमपुर पहुंच गया हूं। यह यात्रा किसी दिव्य अनुभव से कम नहीं है। मुझे कोई डर नहीं, बस आस्था है। बाबा बर्फानी की ऊर्जा ने मेरी रक्षा की है और यात्रा को सुखद और आनंददायक बनाया है। उनकी यात्रा में रामेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भोलेनाथ की यात्रा के दौरान भय और आतंक जैसे शब्द भुला दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आस्था ने गुफा मंदिर की यात्रा पर आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री के मन से भय को दूर कर दिया है। उन्होंने कहा, तीर्थयात्रियों की भीड़ उन आतंकवादियों को करारा जवाब है, जिन्होंने पहलगाम में कायरतापूर्ण हमला किया।

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं के लिए गहरा आभार व्यक्त करते हुए, प्रसाद ने स्थानीय लोगों के आतिथ्य और मार्ग पर प्रदान की गई सुरक्षा की सराहना की।

पाकिस्तान में राजकपूर, दिलीप कुमार की इमारतों के संरक्षण के लिए राशि मंजूर

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान की खैबर पख्तूनख्वा प्रांतीय सरकार ने भारतीय सिनेमा जगत के दिग्गजों दिलीप कुमार और राजकपूर से जुड़ी ऐतिहासिक इमारतों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए बुधवार को 3.38 करोड़ रुपए मंजूर किए।

प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और पर्यटन एवं पुरातत्व सलाहकार जाहिद खान शिनवारी की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में इस आवंटन को मंजूरी दी गई। बैठक में विश्व बैंक के एक कार्यक्रम के तहत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में विरासत संरक्षण और पर्यटन संवर्धन के लिए प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। राजकपूर और दिलीप कुमार की ऐतिहासिक इमारतें, जिन्हें पाकिस्तान सरकार पहले ही राष्ट्रीय धरोहर घोषित कर चुकी है, जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। खैबर पख्तूनख्वा पुरातत्व विभाग ने दोनों इमारतों को दोनों अभिनेताओं के जीवन और करियर को समर्पित संग्रहालयों में परिवर्तित करने की योजना बनाई है। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इन इमारतों को राष्ट्रीय धरोहर स्थल घोषित किया था। पुरातत्व विभाग के निदेशक डॉ. अब्दुस समद ने बताया कि सरकार इन इमारतों का अधिग्रहण करके इसे एक संग्रहालय में बदलना चाहती है, जिसमें दिलीप कुमार और राज कपूर की पेशावर से मुंबई तक की यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। घोषणा का उद्देश्य ऐतिहासिक इमारत का सांस्कृतिक स्थल के रूप में संरक्षण सुनिश्चित करना है। बैठक में स्वीकृत अन्य विरासत संरक्षण और पर्यटन संवर्धन परियोजनाओं में प्रांत के विभिन्न संग्रहालयों और पुरातात्विक स्थलों का उन्नयन शामिल है।

समद ने कहा कि इन परियोजनाओं का प्राथमिक लक्ष्य प्रांत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करते हुए विरासत पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, इस पहल से न केवल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोज़गार के नए अवसर भी पैदा होंगे। मुख्यमंत्री गंडापुर ने कहा, खैबर पख्तूनख्वा की सांस्कृतिक विरासत न केवल पाकिस्तान के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता इस विरासत को संरक्षित करना और पर्यटन के माध्यम से आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए इन परियोजनाओं पर काम शीघ्र ही शुरू होगा।

पाकिस्तान सरकार ने नकदी संकट से जूझ रही पीआईए को बेचने की कवायद की तेज

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान सरकार ने नकदी संकट से जूझ रही पीआईए को बेचने की कवायद की तेज कर दी है। उसका लक्ष्य 2025 के अंत इसे बेचने का है। बुधवार को प्रकाशित मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी को पिछले साल बेचने की असफल कोशिश के बाद सरकार ने इस दिशा में कार्रवाई तेज की है। समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, निजीकरण आयोग बोर्ड ने मंगलवार को चार स्थानीय कंपनियों को विमानन कंपनी के अधिग्रहण के लिए बोली लगाने के योग्य घोषित किया। इनमें से तीन सीमेंट कारोबार से जुड़ी हैं।

सरकार ने अपने पिछले प्रयास में, 45 अरब रुपए के नकारात्मक बही-खाते के साथ न्यूनतम मूल्य 85.03 अरब रुपए निर्धारित किया था। हालांकि, वह केवल 10 अरब रुपए का प्रस्ताव ही प्राप्त करने में सफल रही। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निजीकरण आयोग बोर्ड ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के विनिवेश के लिए चार इच्छुक पक्षों की पूर्व-योग्यता को मंजूरी दे दी। बोर्ड की अध्यक्षता प्रधानमंत्री के निजीकरण मामलों के सलाहकार मुहम्मद अली ने की। निजीकरण आयोग बोर्ड ने पांच संभावित निवेशकों द्वारा प्रस्तुत योग्यता विवरणों (एसओक्यू) के मूल्यांकन के आधार पर पूर्व-योग्यता समिति की सिफारिशों की समीक्षा की। इनमें से एक बोली लगाने के लिए योग्य नहीं पाया गया। आयोग ने कहा कि पूर्व-योग्य पक्ष अब खरीद-पक्ष के उचित परिश्रम चरण में आगे बढ़ेंगे जो पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी निजीकरण प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अखबार ने मुहम्मद अली के हवाले से बताया कि पीआईए की बोली चालू कैलेंडर वर्ष की अंतिम तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में होने की उम्मीद है।

सरकार पीआईए में बहुलांश हिस्सेदारी के साथ-साथ प्रबंधन नियंत्रण भी बेचना चाहती है।

पीआईए कई वर्ष से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यह समस्या 2023 में तब सामने आई जब पीआईए के 7,000 कर्मचारियों को नवंबर 2023 का वेतन नहीं मिला। इससे पहले, यूरोपीय संघ ने सुरक्षा चिंताओं के चलते 2020 में पीआईए पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सिनेमा में मां के किरदार समाज के साथ बदले हैं : काजोल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री काजोल अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मां' में दमदार भूमिका में नजर आईं। उन्होंने बॉलीवुड में मां की छवि के बदलाव पर खुलकर बात की। अभिनेत्री का मानना है कि सिनेमा में मां के किरदार समाज के साथ-साथ बदले हैं। उन्होंने बताया कि पहले निरूपा रॉय और नरगिस जैसे किरदारों से लेकर अब उनकी फिल्म 'मां' तक, मां के किरदारों को अब मजबूत और कमजोर दोनों रूपों में दिखाया जा रहा है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए काजोल ने बताया, बॉलीवुड की मांएं समाज के साथ आगे बढ़ी हैं। हम आज मां को जिस नजरिए से देखते हैं, वही सिनेमा में दिखता है। मांएं हमेशा से मजबूत रही हैं। 'मदर इंडिया' जैसी फिल्में बहुत पहले बन चुकी थीं, जब हम 'मां' जैसी फिल्म के बारे में सोच भी नहीं सकते थे।

अभिनेत्री ने कहा कि मांएं न केवल मजबूत होती हैं, बल्कि उनकी कोमलता और नारीत्व भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, पहले भी मांएं मजबूत थीं, लेकिन अब एक ऐसी मां को स्वीकार किया जा रहा है जो गलतियां भी कर सकती है। वह सुपरवुमन है, लेकिन साथ ही कोमल और नारीवादी भी।

क्या सिनेमा में मांएं थोड़ी स्वार्थी, उग्र और कमजोर दिखाई जा सकती हैं? इस सवाल पर काजोल ने कहा कि बदलाव तब शुरू होता है जब महिलाएं खुद को और दूसरों को उनकी कमियों के साथ स्वीकार करती हैं। उन्होंने बताया, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम महिलाएं एक-दूसरे को कैसे देखती हैं। क्या हम खुद को और दूसरों को छोटी-छोटी कमियों के लिए माफ करते हैं? 'कमी' का मतलब क्या है? अगर आप काम पर गईं, तो क्या यह कमी है? या अगर आप अपने बच्चे का स्कूल प्ले नहीं देख पाईं क्योंकि आप काम कर रही थीं, तो क्या यह आपको कमजोर बनाता है? काजोल का मानना है कि सिनेमा और समाज में मां की छवि को और अधिक मानवीय और वास्तविक बनाने की जरूरत है, जहां उनकी ताकत के साथ-साथ उनकी कमजोरियां भी स्वीकारी जाएं। काजोल ने आगे कहा, हमें खुद से सवाल पूछने होंगे कि हम खुद को कैसे देखते हैं। जैसे-जैसे हमारा नजरिया बदलेगा, समाज का नजरिया भी बदलेगा।

पंजाबी की तुलना में तेलुगू फिल्म सेट पर रहती है ज्यादा गंभीरता : यामिनी मल्होत्रा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस यामिनी मल्होत्रा पंजाबी के साथ ही तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने दोनों इंडस्ट्री के काम करने के तौर-तरीकों में बड़ा अंतर बताया। यामिनी के अनुसार, पंजाबी फिल्मों के सेट किसी बड़े शादी फंक्शन जैसे होते हैं, जबकि तेलुगू सेट पर सख्त प्रोफेशनल माहौल रहता है। उन्होंने कहा, पंजाबी फिल्म की शूटिंग किसी शादी फंक्शन की तरह है। हर कोई उत्साह से भरा होता है। खाना, हंसी-मजाक और म्यूजिक का माहौल रहता है। काम के बावजूद यह परिवार के एकजुट होने जैसा लगता है। शूटिंग के बाद लोग साथ में समय बिताते हैं, रिश्ते बनते हैं और माहौल बेहद दोस्ती भरा होता है।

वहीं, तेलुगू सेटस के बारे में यामिनी का अनुभव बिल्कुल अलग है। उन्होंने बताया, तेलुगू सेटस पर नियम और सटीकता की सख्ती होती है। हर कोई अपना काम करने के बाद वैनिटी वैन में चला जाता है। आपस में बातचीत बहुत कम होती है। माहौल पूरी तरह प्रोफेशनल और कभी-कभी मशीन जैसा लगता है। 'बिग बॉस 18' की कंटेस्टेंट रहीं यामिनी दोनों इंडस्ट्री की खासियतों को पसंद करती हैं। उनके हिसाब से फिल्म के अनुसार माहौल का भी निर्धारण होता है। वे पंजाबी सेटस की गर्मजोशी और तेलुगू सेटस की दक्षता, दोनों का आनंद लेती हैं। यामिनी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'चिल मारना ब्रो' जल्द रिलीज होगी। तेजस दत्तानी के निर्देशन में बनी यह फिल्म कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें ढेर सारे ट्विस्टस और हंसी-मजाक का तड़का है। यामिनी ने बताया, एक्टिंग मेरा पैशन है। बॉलीवुड में कदम रखना मेरा सपना था, जो अब पूरा हो रहा है। फिल्म की कहानी मजेदार है, जिसमें कॉमेडी और ट्विस्टस का शानदार मिक्सअप है।

हिंदी-मराठी विवाद पर बोले उदित नारायण, 'देश की सभी भाषाओं का हो सम्मान'

मुंबई/एजेन्सी

महाराष्ट्र में उठे हिंदी और मराठी भाषा विवाद पर उदित नारायण ने संतुलित बयान दिया है। उन्होंने सबसे 'संस्कृति का सम्मान' करने की अपील की है। गायक ने इस मसले पर आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में रहने के कारण स्थानीय भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि लोगों को भारत की अन्य भाषाओं की भी इज्जत करनी चाहिए। उदित नारायण ने कहा, अगर आप महाराष्ट्र में रहते हैं, तो आपको मराठी भाषा और वहां की संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।

लेकिन साथ ही हमें भारत की दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा, हम महाराष्ट्र में रहते हैं और यह मेरी कर्मभूमि है, इसलिए यहां की भाषा खास है। इसके साथ ही, हमारे देश की सभी भाषाएं भी मराठी की तरह ही बराबर सम्मान की हकदार हैं। उदित से पहले इस मामले में कंगना रनौत ने भी अपनी राय पेश की थी। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने देश की एकता पर जोर देते हुए कहा था कि कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए सनसनी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

कंगना ने मराठी और हिमाचली लोगों की तुलना करते हुए कहा, महाराष्ट्र के लोग, खासकर मराठी लोग, बहुत प्यारे और सीधे-सादे हैं, ठीक वैसे ही जैसे हमारे हिमाचली लोग हैं। कुछ लोग राजनीति में छा जाने के चक्कर में अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए सनसनी फैलाते हैं, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सब एक देश के हिस्से हैं। उन्होंने आगे कहा, महाराष्ट्र, गुजरात, और दक्षिण भारत सभी जगह के लोग हिमाचल आते हैं। वे कितने भोले लोग होते हैं।

हमें अपने देश की एकता को नहीं भूलना है। बता दें कि महाराष्ट्र में हिंदी और मराठी विवाद दिन पर दिन गर्माता जा रहा है। यह विवाद स्कूलों में हिंदी पढ़ाए जाने को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी करने के बाद शुरू हुआ। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी किया कि पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक हिंदी पढ़ना अनिवार्य होगा। इस आदेश के जारी होने पर विपक्ष भड़क गया और जमकर आलोचना की। इस बीच राज्य सरकार ने हिंदी को लेकर जारी सरकारी आदेश को वापस ले लिया।

टाइगर श्रॉफ ने 'बागी 4' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ ने बुधवार को अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'बागी 4' की शूटिंग खत्म करने की घोषणा की। इसके साथ ही टाइगर सोशल मीडिया पर क्लैप बोर्ड के साथ अपने सुपर टॉन्ड सिक्स-पैक एब्स दिखाते नजर आए। 'वॉर' अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की। एक तस्वीर में वह क्लैप बोर्ड पकड़े हुए हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में वह अपने दमदार सिक्स पैक एब्स दिखा रहे हैं। यह झलक दिखाती है कि अपनी फिट और मस्कुलर बॉडी के लिए मशहूर टाइगर श्रॉफ ने फिल्म के लिए जबरदस्त मेहनत की है। टाइगर ने बताया भी है कि उन्होंने शायद ही किसी और फिल्म के लिए इतना पसीना बहाया होगा।

श्रॉफ ने तस्वीरे शेयर कर कैप्शन में लिखा, और आखिरकार यह (शूटिंग) खत्म हो गई, आप सभी के प्यार और इस सीक्वल को इतनी दूर तक पहुंचाने के लिए शुक्रिया। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी किसी फिल्म के लिए इतना पसीना बहाया होगा। आपके लिए जल्द ही आ रहा है।

साजिद नाडियावाला की एक्शन से भरपूर फिल्म 'बागी-4' में सोनम बाजवा भी लीड रोल में नजर आएंगी। पिछले साल नवंबर में टाइगर ने 'बागी-4' की घोषणा की थी, जिसका निर्देशन ए. हर्ष किया है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, एक काली आत्मा, एक खूनी मिशन। इस बार वह पहले जैसा नहीं है।'' साजिद नाडियाडवाला की 'बागी-4।' 'बागी' फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2016 में हुई थी और इसका निर्देशन सब्बीर खान ने किया था। 'बागी' 2004 की तेलुगु फिल्म 'वर्षम' का रीमेक थी। इसका क्लाइमेक्स 2011 की इंडोनेशियाई फिल्म 'द रेड: रिडेम्पशन' से प्रेरित है। इस फिल्म में टाइगर, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू थे। इसके बाद अहमद खान द्वारा निर्देशित 'बागी 2' 2018 में रिलीज हुई थी। यह तेलुगु फिल्म 'क्षणम' की रीमेक थी। इसमें टाइगर के साथ दिशा पटानी, मनोज बाजपेयी, दर्शन कुमार, प्रतीक बब्बर, रणदीप हुड्डा, दीपक डोबरियाल और अराव्या शर्मा थे। फिल्म की तीसरे पार्ट को अहमद खान ने निर्देशित किया था। यह तमिल फिल्म 'वेट्टई' से प्रेरित थी, जिसमें टाइगर श्रॉफ, रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे।

शिल्पा शेट्टी फिर से बनी 'सुपर डांसर' में जज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा जल्द ही डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' में बतौर जज नजर आएंगी। वह चार साल के ब्रेक के बाद फिर से इस शो में लौट रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि इस बार शो में सिर्फ बच्चों की कहानी नहीं, बल्कि उनकी मां के संघर्ष की कहानी भी दिखाई जाएगी। एक्ट्रेस ने कहा, ''शो का नया सीजन सिर्फ डांस का जश्न नहीं होगा, बल्कि उन खास नायिकाओं पर भी ध्यान देगा, जो इन छोटे स्टार्स के पीछे छिपी हुई हैं, यानी उनकी माताओं पर। ये माताएं अपने बच्चों के टैलेंट को खोजती हैं, उसे बढ़ावा देती हैं और हर कदम पर उनका साथ देती हैं। इस सीजन में उनकी मेहनत, प्यार और समर्थन को दिखाया जाएगा।'' शो के बारे में

शिल्पा शेट्टी ने बताया, ''अक्सर रियलिटी शो में सिर्फ प्रतियोगियों की स्टेज पर यात्रा दिखाई जाती है। इस बार 'सुपर डांसर' में हम प्रतियोगियों की माताओं की प्रेरणादायक कहानी भी दिखाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''मैं खुद भी एक मां हूं, इसलिए मुझे पता है कि एक मां होना कितना खास होता है। हम घर में बहू, बेटी, बहन जैसी कई भूमिकाएं निभाते हैं, लेकिन हमें खुद को मां के रूप में सबसे ऊपर रखना होता है। हम हमेशा अपने बच्चों को आगे बढ़ाने की कोशिशों में लगे रहते हैं। अक्सर बच्चों की तारीफ होती है, इस बीच उन माताओं की मेहनत को कोई नहीं देखता, लेकिन अब उनको भी उतनी ही तारीफ मिलेगी। मैं सभी बच्चों की तरफ से हर मां का धन्यवाद करती हूं, असली स्टार वही हैं।'' शानदार परफॉर्मेंस और दिल छू लेने वाली कहानियों के साथ, जिनमें संघर्ष, त्याग और सपने शामिल हैं, 'सुपर डांसर' 19 जुलाई से शुरू हो रहा है। शो में 12 टैलेंटेड सुपर डांसर होंगे। यह शो हर शनिवार और रविवार को सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

हीरो बनने आए थे, 'बाबूजी' बनकर छा गए आलोक नाथ

मुंबई/एजेन्सी

आलोक नाथ का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले एक 'संस्कारी बाबूजी' की तस्वीर उभरती है। वह जो हमेशा बड़े प्यार से अपने परिवार की देखभाल करते हैं, संस्कारों की बात करते हैं और बड़े ही सलीके से बच्चों और बहुओं को समझाते हैं। उनकी यह छवि बॉलीवुड और टीवी दोनों जगह ऐसी बन गई है कि लोग उन्हें 'संस्कारी पिता' के तौर पर ही जानते हैं। बहुत सी फिल्मों में उन्होंने ऐसा किरदार निभाया कि लोग उन्हें असल जिंदगी में भी ऐसा ही समझ बैठते हैं। चाहे वह 'हम आपके हैं कौन', 'विवाह', 'हम साथ साथ हैं' जैसी फिल्में हों या टीवी के मशहूर शो 'बुनियाद' और 'विदाई', आलोक नाथ ने अपने अभिनय से 'संस्कारी बाबूजी' का जो रोल निभाया, वह आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। लेकिन उनकी जिंदगी और करियर की कहानी उस 'संस्कारी बाबूजी' से बहुत अलग है। असल जिंदगी में उन्होंने काफी संघर्ष किया। बहुत कम लोग जानते हैं कि जब उन्होंने अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था, तब उनका सपना कुछ और ही था। वह हीरो बनना चाहते थे, लेकिन किस्मत ने उन्हें हीरो तो नहीं, लेकिन 'बाबूजी' बनाकर लोगों के दिलों में जगह जरूर दिला दी।

आलोक नाथ का जन्म 10 जुलाई 1956 को बिहार के खगड़िया जिले में हुआ था। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग का बहुत शौक था। उन्हें पढ़ाई में कम और एक्टिंग में ज्यादा मन लगता था। उन्होंने एक्टर बनने की बचपन से ही ठान ली थी। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में दाखिला लिया। वहां उन्होंने थिएटर सीखा और अपने हुनर को निखारा। एक्टिंग में उनका मन पूरी तरह रम गया था और वह हीरो बनने की ख्वाहिश लिए मुंबई आ गए। साल 1982 में उन्हें पहली बार फिल्म 'गांधी' में छोटा सा रोल मिला और इसके लिए उन्हें 20 हजार रुपए की पहली कमाई भी मिली। उस समय उनके पिता की सालाना कमाई 10 हजार रुपए थी। उनकी इस कमाई ने घरवालों को भी चौंका दिया, जिसके बाद आलोक के अभिनय करियर को पिता का भी सपोर्ट मिलने लगा। उन्होंने 'मशाल', 'सारांश', 'मोहरा' जैसी फिल्मों में बतौर सपोर्टिंग एक्टर काम किया। इंडस्ट्री में बने रहने के लिए उन्होंने मजबूरी में 30 साल की उम्र में अपने से दोगुनी उम्र के पिता वाले किरदार निभाए। इस दौरान इन किरदारों से मेकर्स को एक बात समझ में आने लगी कि उनकी शक्ल और अंदाज किसी हीरो की भूमिका में नहीं, बल्कि 'संस्कारी पिता' के रोल में ज्यादा फिट बैठते हैं। साल 1988 में आई फिल्म 'कयामत से कयामत तक' में उन्होंने ऐसे पिता का किरदार निभाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 10-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने बुधवार को गांधीनगर तेरापंथ भवन में विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में जैन संस्कार विधि से शपथ ग्रहण की।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मेवाड़ जैन मित्र मंडल द्वारा % सितम्बर को पैलेस ग्राउंड पर एक शाम श्री टॉडगढ़ भैरुजी के नाम भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। मंडल के गौतम मांडोत ने इस कार्यक्रम हेतु टॉड़गढ़ के काला गौरा भैरव पावन धाम के मुख्य उपासक विद्याप्रकाश पडियार व कपिल पडियार से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया। मांडोत ने साथ टॉडगढ़ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र सेठिया, मंडल के अमृत दलाल,गौतम दलाल आदि उपस्थित थे

तेयुप राजाजीनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने जैन संस्कार विधि से ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने बुधवार को गांधीनगर तेरापंथ भवन में विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में जैन संस्कार विधि से शपथ ग्रहण की। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने किया। निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए नवमनोनीत अध्यक्ष जितेश दक को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। जितेश दक ने टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष जयंतीलाल गांधी, सुनील मेहता, मंत्री अनिमेष चौधरी, सहमंत्री रवि चौधरी, राहुल चावत, संगठन मंत्री पंकज बोहरा, कोषाध्यक्ष कुनाल गन्ना, प्रचार प्रसार मीडिया प्रभारी जितेन्द्र कोठारी एवं कार्यसमिति सदस्यों को शपथ दिलवाई।

इस मौके पर मुनि पुलकितकुमारजी ने कहा कि सही ढंग से अपना अपना दायित्व निर्वहन करते हुए संघ-संगठन के प्रति अपनी मर्यादाओं का पालन करते हुए गुरु इंगित द्वारा बताए गए पदचिन्हों पर चलते हुए कार्य करना है। नए अध्यक्ष जितेश दक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी को एकजुट होकर संघ के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इस मौके पर राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, महिलामंडल कार्यवाहक अध्यक्षा उषा चौधरी, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, विमल कटारिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर तेयुप के संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना, सीपीएस के राष्ट्रीय सलाहकार सतीश पोरवाड़, अभातेयुप के कमलेश गन्ना, विशाल पितलिया, राजेश पोरवाड़, तेयुप गांधीनगर के अध्यक्ष प्रसन्न धोका की उपस्थित थे। मंच का संचालन जयंतीलाल गांधी ने किया।

नवकार महामंत्र सभी पापों का नाशक व मंगल भावों का जनक है : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी, महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी व दक्षप्रभाकरजी की निश्रा में बुधवार से चातुर्मास की आराधना प्रारंभ हुई। पहले दिन आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन धर्म व दर्शन में सामायिक की क्रिया की विशेष महत्ता बताई गई है। भगवान महावीर ने सामायिक करने वाले श्रावक-श्राविका को बहुत पुण्यशील बताया है। सामायिक का अर्थ है समता की साधना। इस क्रिया में जैन श्रावक-श्राविकाएं एकांत भाव में रहकर तीर्थंकरों व धर्म का चिंतन करते हैं। जो व्यक्ति रोज सामायिक करता है वह व्यक्ति बिना धन या पदार्थ व्यय किए बिना महापुण्य कर्म का संचय करता है। रोज सामायिक करना जैन धर्म के श्रावक-श्राविकाओं का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए।

आचार्यश्री ने कहा कि जैन धर्म में नवकार मंत्र को महामंत्र की श्रेणी में रखा गया है। इस मंत्र में राग या विराग नहीं, बल्कि यह मंत्र साधक को वीतराग की ओर ले जाता है। जैन धर्म के अनुसार सभी देवों में श्री वीतराग देव को, सभी तीर्थों में श्री शत्रुंजय तीर्थ को और सभी मंत्रों में नवकार मंत्र को श्रेष्ठ माना गया है। नवकार मंत्र का प्रथम शब्द णमो है, जिसका अर्थ है नम जाओ। जो नमता है वही गुणों में रमता है और वही प्रभु को गमता है यानी प्रभु तक पहुँचता है। णमो शब्द का अर्थ है अहंकार छोड़ो। इस नवकार मंत्र में कुल नौ पद हैं, इसलिए इसे नवकार कहा जाता है। लेकिन नवकार का एक आशय नमस्कार भी है, इसलिए इसे नमस्कार मंत्र नाम से भी जाना जाता है। इस महासूत्र की विशेषता यह है कि यह अहंकार का विसर्जन करता है। इसमें व्यक्ति की पूजा नहीं, बल्कि गुणों की पूजा है। इसमें व्यक्ति को नहीं, व्यक्तित्व को नमस्कार किया जाता है। इसमें परंपरा को नहीं, जो परम है उसकी प्रतिष्ठा की गई है। इसमें ज्ञान दर्शन और चरित्र को मान दिया गया है। इन्हीं कारणों से नवकार मंत्र को अन्य मंत्रों से श्रेष्ठ माना गया है। यह महामंत्र सभी पापों का नाशक व सभी मंगल भावों का जनक है। इसके स्मरण मात्र से शांति की प्राप्ति होती है। इसकी आराधना को विश्व सुख का अद्वितीय कारण माना है। ऐसे महामंत्र का श्रद्धापूर्वक स्मरण करके दिनचर्या शुरू करें। इस मौके पर चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर के नरेश बम्बोरी ने बताया कि सवा करोड़ नवकार महामंत्र जप के सामूहिक जप 1% जुलाई से प्रारंभ होंगे। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को पैलेस ग्राउंड पर पार्श्वनाथ पद्मावती महादेवी का महापूजन 554 जोड़ों द्वारा किया जाएगा।

जीतो साउथ और ईआईएमआर बिजनेस स्कूल ने लॉन्च किया 'व्यापार-2.0 प्रशिक्षण कोर्स'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ और यूथ विंग ने ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के साथ मिलकर 'व्यापार-2.0' प्रशिक्षण कोर्स की शुरुआत की घोषणा की, जो सितंबर से शुरू होगा और चार माह का प्रशिक्षण सत्र होगा। यह पहल जेबीएन और सीएफई वर्टिकल्स के तहत की गई और सोमवार को समझौते पर हस्ताक्षर भी हुए। यह प्रशिक्षण सत्र युवाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में नेटवर्किंग, रेफ़रल और मेंटरशिप के माध्यम से व्यापार के गुर सिखाए जाएंगे। समझौते के मौके पर जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सदस्यों का स्वागत किया और युवा उद्यमियों के लिए कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया। ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के संस्थापक दीपक श्रीश्रीमाल ने मेंटरशिप, बाजार रिच और दीर्घकालिक व्यावसायिक गठबंधन आदि कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। ईआईएमआर के प्रोफेसर मंजुनाथ ने कार्यक्रम की संरचना और कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य सचिव नितिन लूनिया, यूथ विंग के अध्यक्ष मेहुल श्रीश्रीमाल और जेएलडब्ल्यू चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने शुभकामनाएं दी। सत्र में जेबीएन संयोजक विजय मेहता, जेबीएन सहसंयोजक ललित बागरेचा, सीएफई संयोजक हितेंद्र जैन, यूथ विंग उपाध्यक्ष कुणाल मकाना और मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, अवधि चौहान आदि उपस्थित थे।

जिनवाणी श्रवण से हमारी आत्मा शीतल व कषाय दूर होते हैं : साध्वीश्री हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने कहा कि हमें चातुर्मास काल में छह आवश्यक(क्रिया) से आराधना करनी है। श्रावकों के छह आवश्यक में पहले आवश्यक में सामायिक आती है। सम, आय और इक की संधि करने से सामायिक शब्द बनता है। हमारी आत्मा को शीतल करने वाली जिनवाणी श्रवण करने से हमारी आत्मा के कषाय दूर होते हैं। बीता हुआ समय एक बार व्यतीत होने के पश्चात वापस नहीं आएगा। हमें इस समय का सदुपयोग अभी कर लेना है। दूसरे आवश्यक में चौबीस तीर्थंकरों की वन्दना है जिसमें परमात्मा की सेवा पूजा, वन्दना करना है। सिर्फ जैन दर्शन में ही परमात्मा का स्पर्श कर सकते हैं। परमात्मा के स्पर्श से हमारी आत्मा में स्पंदन होना चाहिए जिससे उसी क्षण में हमारे अनन्त कर्मों से छुटकारा मिल जाता है। तीसरे आवश्यक में पंच महाव्रत धारी साधु संतों को वन्दना करना है। एक बार का विधिवत गुरु वन्दन हमारे पापों का नाश करता है। पंचम आवश्यक में कायोत्सर्ग है, कायोत्सर्ग में हमारी आत्मा का ध्यान करना है और काया के राग को छोड़ना है। छठे आवश्यक में प्रत्याख्यान है। हमारी आत्मा को तप प्रत्याख्यान के माध्यम से हमें अभाव दशा से स्वभाव दशा में लाना है। दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा निगोद निवारण तप का प्रारम्भ 12 जुलाई से होगा। साधना के मार्ग में एक क्षण के प्रमाद से हम पुनः बादर व्यवहार राशि निगोद में पहुंच सकते हैं। साध्वीश्री चातुर्मास में ज्ञानसार सूत्र ग्रंथ का वांचन करेंगी जिसे उन्हें प्रदान करने अर्थात बोहराने का लाभ धर्मीदेवी छगनलाल भन्साली परिवार ने किया तथा समरादित्य चारित्र को बोहराने का लाभ पन्नालाल गौतमचंद कवाड़ परिवार ने लिया।

जप, तप, स्वाध्याय की त्रिवेणी में आध्यात्मिक स्नान करने का अवसर है चातुर्मास : साध्वीश्री पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा भवन आरआरनगर में साध्वी पुण्ययशाजी ने चतुर्दशी को सहवर्तिनी साध्वियों के साथ गुरु निर्देशित प्रारूप के अनुसार विभिन्न मंत्रों के जप से चातुर्मास की स्थापना की। साध्वीश्री ने कहा कि चातुर्मासकाल साधना का विशेष समय होता है। चातुर्मास जप, तप, स्वाध्याय की त्रिवेणी में आध्यात्मिक स्नान कर अपनी आत्मा को निर्मल बनाने का शुभ अवसर है। अधिक से अधिक तपस्या आदि करने का भाव रखना चाहिए। साध्वीश्री ने कहा कि तपस्या न भी हो तो, सामायिक, मौन, रात्रि भोजन त्याग, सचित्त व जमीकंद का त्याग तो करना ही चाहिए। इन छोटे-छोटे नियमों का पालन करके भी निर्जरा का लाभ उठाया जा सकता है। नियमित रूप से सूत्र(आगम आधारित) का व्याख्यान सुनने से भी बँधे हुए कर्म कटते हैं। अन्य साध्वियों ने जप, तप, स्वाध्याय के विभिन्न साधनों को संकलित कर एक गीतिका की प्रस्तुति दी। तेरापंथ के संविधान 'मर्यादा पत्र' एवं हाजरी का वाचन साध्वियों द्वारा किया गया। कमलसिंह दुगड़ ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया।

चातुर्मास स्थापना के एक दिन पूर्व मंगलवार को तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा एक शाम बाबा भिक्षु के नाम' धम्मजागरण का आयोजन किया। साध्वी वर्धमान यशाजी एवं तुलसी संगीत सुधा की मंडली द्वारा गीतिका गाकर बाबा भिक्षु को याद किया। साध्वी पुण्ययशाजी ने तीन दिवसीय ॐ भिक्षु जय भिक्षु अखंड जाप तपस्या एवं सामायिक कार्यक्रम में भाग लेना का आह्वान किया। संचालन प्रवीण बैद ने किया। मंत्री संदीप बैद ने धन्यवाद दिया।

भोग से त्याग की ओर बढ़ने का काल है चातुर्मास काल : साध्वीश्री सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में तप आराधना से चातुर्मास प्रारंभ हुआ। साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि चातुर्मास तीन प्रकार के होते हैं, उत्कृष्ट चातुर्मास, मध्यम चातुर्मास और सामान्य चातुर्मास। चातुर्मास कालवासना से उपासना की ओर, भोग से त्याग की ओर, इंद्रिय संयम की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह एक आध्यामिक अनुष्ठान है जो सुलबबोधि होता है वह कुछ विशेष करता है। संकल्प शक्ति मजबूत हो तो तपस्या संभव है। साध्वी डॉ सरलयशाजी ने कहा कि आध्यात्मिक विकास का सीजन शुरू हो गया है। भारतीय परम्परा में यज्ञ का महत्व है और हम आध्यात्मिक जप से यज्ञ कर रहे है। संकल्प के साथ पुरुषार्थ होना चाहिए जिससे संकल्पजा सृष्टि की रचना होती है। डॉ सरलयशाजी एवं ऋषिप्रभाजी ने गीत का संगान किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन उपासक महेन्द्र दक ने किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, निवर्तमान अध्यक्ष गौतम मुथा, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल आदि उपस्थित थे। संचालन करते हुए मंत्री अनिल दक ने चातुर्मास संबंधित सूचनाएं दी।

माहेश्वरी महिला संगठन, बेंगलोर
(माहेश्वरी सभा के अन्तर्गत)
मानवीय सेवा हेतु प्रस्तुत करता है
आनन्द मेला उत्थान 2025
दिनाँक : 12 जुलाई 2025, शनिवार * समय : सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
स्थल : माहेश्वरी भवन, ओकलीपुरम, बेंगलोर
मेले के आकर्षण नीलकंठ गोल्ड एण्ड डायमंड की ज्वेलरी सिल्वर के आभूषण, आकर्षक डिज़ाइनर ड्रेस एवं राखियाँ।
प्राकृतिक त्वचा को सुरक्षा देने वाले हाथों के बने मेकअप के सामान, साबुन, फेश वाश इत्यादि।
मेले में 80+ स्टॉल रहेंगे - घर सजावट व उपहार के सुन्दर सामान, मनोरंजक के लिए गेम, अनेकों प्रकार की स्वादिष्ट चाट, आइसक्रीम, भांति भांति की भेलपुरी, खाने -पीने के लिए अनेकों व्यंजन। इसके साथ आपको मिलेगा एक ही छत के नीचे एक ही दिन में घरेलू उत्पाद बनाने वाली महिलाओं के बने सामानों को लेने का सुनहरा अवसर, नारायण रेकी सत्संग परिवार का साहित्य, मंत्र मशीन, राम-राम लेखनी बुक आदि, हाथों के बने आचार, चाकलेट फैन्सी कैंडल और अनेकों उपयोगी सामान ।
Main Sponsor NEELKANTH GOLD & DIAMONDS
Prize Sponsor SANGEETHA DEEPAK SABOO
Media Sponsor Sampat Devi Rewantmal Jhawar ANKIT INFOTECH PC STUDIO
Gate Sponsor Arihant Jewellers
निवेदक : माहेश्वरी महिला संगठन, बेंगलोर
विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क करें
अध्यक्षा श्वेता बियाणी 94482 36972
सुनीता मुंदड़ा 99007 04344
सचिव निर्मला काँकाणी 93795 83025
Jain Mission Hospital, Chickkaballapur द्वारा नि:शुल्क संचालित Dialysis Centre Patients के लिए WHTS Foundation राजराजेश्वरी नगर स्थित (द्वारा संचालित गुरुकुल एवं गौशाला) में मेले से बचत राशि दी जायेगी

आत्मा से परमात्मा की ओर जाने का समय है चातुर्मास : साध्वीश्री पावनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ। शहर के तेरापंथ भवन में बुधवार को चातुर्मास के पहले दिन साध्वी पावनप्रभाजी ने तेरापंथ के संविधानों का वाचन किया। साध्वीश्री ने कहा कि चातुर्मास शब्द अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। इसे स्थिरवास भी कह सकते हैं। चातुर्मास आत्मा से परमात्मा की ओर जाने का समय है। आचार्य भिक्षु ने जो ढाई सौ वर्ष पूर्व तेरापंथ का संविधान बनाया था वो आज भी वैसा ही है। न उसमें कोई बदलाव किया गया है न ही कोई अक्षर ही बदले गए हैं। उन्होंने तेरापंथ संविधान का वाचन करते हुए मर्यादाओं की जानकारी दी तथा श्रावकों को जागरुक किया। साध्वीश्री ने कहा कि गणाधिपति आचार्य तुलसी बहुत दूरदर्शी आचार्य थे। उन्होंने मूल मर्यादाओं को सुरक्षित रखते हुए नया बदलाव किया और चार्तुमास में करने योग्य बातों का उल्लेख किया। साध्वी उन्नतयशाजी ने कहा कि चातुर्मास की बेला जागने की है न कि सोने की।

जो दुनिया में आया है वो एक दिन जाएगा। चातुर्मास हमें प्रेरणा देता है कि हमें मन, वचन, काया तीनों प्रकार की चंचलता को कम करना है, अपनी आत्मा में रमण करना है, तपस्या की साधना में रत रहना है व प्रभु की उपासना करनी है। जसवन्तराज बांठिया ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया।

यमन में भारतीय नर्स की फांसी रोकने के प्रयासों में जुटा भारत

नई दिल्ली/भाषा। यमन में हत्या के मामले में दोषी ठहराई गई भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को 16 जुलाई को फांसी दी जानी है जिसे रोकने के लिए भारत पुरजोर प्रयास कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

केरल के पलक्कड़ जिले के कोलेनगोड़े की प्रिया को जुलाई 2017 में यमन के एक व्यक्ति की हत्या का दोषी ठहराया गया था। वह व्यक्ति प्रिया का बिजनेस पार्टनर था। यमन की अदालत ने 2020 में उसे मौत की सजा सुनाई थी और देश की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में उसकी अपील खारिज कर दी थी। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया (38) वर्तमान में यमन की राजधानी सना में जेल में बंद है। सना में इस वक्त ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है। एक सरकारी सूत्र ने कहा, हम तब से इस मामले पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। हम स्थानीय अधिकारियों और नर्स के परिवार के सदस्यों के साथ संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम मामले पर लगातार कड़ी नज़र रख रहे हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भारत 16 जुलाई को होने वाली फांसी को रोकने के प्रयासों में लगा है। इस मामले में कुछ जटिलताएं हैं क्योंकि भारतीय पक्ष का हूती विद्रोहियों के साथ कोई औपचारिक संपर्क नहीं है। प्रिया की मां प्रेमकुमारी अपनी बेटी की रिहाई सुनिश्चित कराने के प्रयासों के तहत पिछले वर्ष यमन गई थीं। बताया जाता है कि भारतीय पक्ष ने प्रिया की रिहाई दियात या ब्लड मनी देकर सुनिश्चित करने के विकल्प पर भी विचार किया था लेकिन इसमें भी कुछ बाधा आई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com